अजमेर, सीकर, झुंझुनूं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 9314505000 | लॉग ऑन करें: www.chamaktarajasthan.com

RNI No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

चमकता राजस्थान

Email- chamaktarajasthan8789@gmail.com | जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित | डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2022-23

जयपुर, रविवार, 17 सितंबर 2023 | वर्ष : 14 | अंक : 34 | पृष्ठ : 8 | दैनिक प्रात: कालीन | मूल्य: 1 रूपया

सनातन धर्म विवाद पर मद्रास हाई कोर्ट की अहम टिप्पणी, बयान ऐसे हों कि किसी को ठेस नहीं पहुंचे

अदालत ने कहा कि सनातन धर्म शाश्वत कर्तव्यों का एक समूह है

बोलने की आजादी के नाम पर नफरत फैलाना न्यायोचित नहीं

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

सनातन धर्म पर चल रही बहस के बीच मद्रास हाई कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि सनातन धर्म शाश्वत कर्तव्यों का एक समूह है, जिसमें राष्ट्र, राजा, अपने माता-पिता और गुरुओं के प्रति कर्तव्य और गरीबों की देखभाल करना शामिल है।न्यायमूर्ति शेषशायी ने कहा, समान नागरिकों वाले देश में छुआछूत बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। भले ही इसे 'सनातन धर्म' के सिद्धांतों के भीतर कहीं न कहीं अनुमति के रूप में देखा जाता है, फिर भी इसमें रहने के लिए जगह नहीं हो सकती है। न्यायमूर्ति शेषशायी ने आसपास होने वाली शोर-शराबे वाली बहस पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा,लगता है कि एक विचार ने जोर पकड़ लिया कि सनातन धर्म पूरी तरह से जातिवाद और छुआछूत को बढ़ावा देने के बारे में है।

न्यायमूर्ति शेषशायी ने कहा, एक विचार ने जोर पकड़ लिया है कि सनातन धर्म पूरी तरह से जातिवाद और छुआछूत को बढ़ावा दे रहा

समान नागरिकों वाले देश में छुआछूत बर्दाश्त नहीं होगी

मौलिक अधिकार का भाषण में ऐसा दुरुपयोग करना ठीक नहीं

हर धर्म आस्था पर आधारित, किसी को कष्ट नहीं होना चाहिए

न्यायाधीश शेषशायी ने कहा कि हर धर्म आस्था पर आधारित है। इसलिए, जब धर्म से संबंधित मामलों में स्वतंत्र भाषण का प्रयोग किया जाता है, तो किसी के लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि कोई भी दुखी न हो। दूसरे शब्दों में कहें तो स्वतंत्र भाषण हेट स्पीच नहीं हो सकता है।

उदयनिधि ने सनातन को बताया था डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारी

अदालत की यह टिप्पणी तमिलनाडु सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म के खिलाफ की गई टिप्पणियों के मद्देनजर आई है। उदयनिधि ने सनातन की तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से की थी। इसके बाद उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा इस मुद्दे पर हमलावर है और वो पूरे विपक्ष पर निशाना साध रही है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा

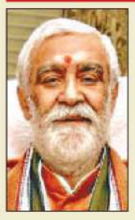

बिहार के शिक्षा मंत्री मूर्ख हैं

रामचरित मानस पर फिर विवादित बयान देने वाले बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने मूर्ख मंत्री कह दिया है। चौबे ने कहा कि वह शिक्षा मंत्री नहीं मूर्ख मंत्री हैं। वे मानसिक रोगी के शिकार हैं। उन्हें मानसिक अस्पताल भेज देना चाहिए। ठगबंधन लोगों को क्या कहना है, सभी हाशिए पर जाएंगे। चौबे के इस बयान के बाद सियासी घमासान बढ़ गया है।

सनातन धर्म विवाद पर रक्षामंत्री राजनाथ बोले

शाश्वत धर्म को दुनिया की कोई ताकत नष्ट नहीं कर सकती, यह है 'वसुधैव कुटुंबकम'

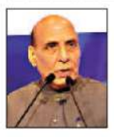

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से सांसद और देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तीन दिवसीय दौरे पर शनिवार को उन्होंने सनातन धर्म विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सनातन धर्म शाश्वत है। दुनिया की कोई ताकत इसे नष्ट नहीं कर सकती। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। सनातन धर्म ने 'वसुधैव कुटुंबकम' का संदेश दिया है, यानी पूरी दुनिया हमारा परिवार है। हमारी माताएं और बहनें जब आटा सानती हैं और अगर कोई चींटी पास से गुजरती है तो वे उसे आटे का एक छोटा सा हिस्सा खाने के लिए देते हैं।

तमिलनाडु, केरल के डीजी के खिलाफ अवमानना कार्यवाही की जाए

सनातन धर्म पर टिप्पणी से उपजे विवाद को लेकर तमिलनाडु और केरल के पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है।

हैदराबाद में सीडब्ल्यूसी की 3 दिनी बैठक

दावा: अन्य राज्यों के साथ तेलंगाना में भी बनेगी कांग्रेस की सरकार

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

हैदराबाद में कांग्रेस कार्य समिति की तीन दिवसीय बैठक शुरू हो गई। बैठक में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के आला नेता उपस्थित थे। बैठक की शुरुआत में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुरुआती संबोधन में कांग्रेस की नीति और नियत पर प्रकाश डालते हुए मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। सोनिया गांधी के योगदान से लेकर राहुल की भारत जोड़ो यात्रा से लेकर इंडिया गठबंधन के गठन, भाजपा सरकार द्वारा एजेंसी के इस्तेमाल और संसद के विशेष सत्र को लेकर अपनी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की राजधानी में बैठे हैं, उसे राज्य बनाने का काम भी सोनिया की कोशिशों से हुआ है। हम उनको भरोसा दिलाते हैं कि जल्दी ही दूसरे राज्यों के साथ तेलंगाना में भी हमारी सरकार बनेगी।

राहुल ने 'नफ़रत के बाजार में मोहब्बत की दुकान' खोली

उन्होंने कहा कि राहुल के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा में गरीब, वंचित, महिला, युवा, किसान, बुद्धिजीवी, फौजी और सभी वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। राहुल ने लोगों की आवाज बुलंद की और उनके बीच मोहब्बत और भाईचारे का संदेश भी दिया, जिससे पार्टी को नयी ऊर्जा मिली। 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान' आज दुनिया भर में आम जनता की आवाज बन गई है।

सर्वधर्म समभाव बिगाड़ने वालों की करें पहचान

खरगे ने कहा कि कांग्रेस 10 सालों से केंद्र में मुख्य विपक्षी दल की भूमिका निभा रही है। आज देश कई गंभीर आंतरिक चुनौतियों से जूझ रहा है। केंद्र सरकार सर्वधर्म समभाव बिगाड़ने वालों की पहचान करे।

कल से शुरू हो रहा है संसद का विशेष सत्र, विपक्षी एकता पर रहेगी सरकार की पैनी नजर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने-अपने खेमे को मजबूत करना तो कई महीने पहले ही शुरू कर दिया था, लेकिन सोमवार से शुरू होने जा रहा संसद का विशेष सत्र दोनों ही गठबंधन के लिए रणनीतिक लिहाज से काफी महत्वपूर्ण रहने जा रहा है। बताया जा रहा है कि संसद के इस विशेष सत्र के दौरान सरकार की नजरें खासतौर से विपक्षी इंडिया गठबंधन में शामिल दलों पर रहेगी, जिसे सरकार और भाजपा कभी घमंडिया गठबंधन तो कभी अधर्मी और कभी आई.एन.डी.आई. गठबंधन कह कर संबोधित करती है। दरअसल, संसद के इस विशेष सत्र के दौरान सरकार की नजरें खासतौर पर इस बात पर टिकी रहेगी कि लोकसभा चुनाव में एकजुट होकर देशभर में भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ने का दावा करने वाले इन दल के बीच संसद के दोनों सदनों में कितना सामंजस्य है और नेताओं के स्तर पर किए जा रहे दावों के बीच सांसदों के स्तर पर इनके बीच किस हद तक समन्वय स्थापित हो गया है। दरअसल, भाजपा के तमाम दिग्गज नेता यह बयान देते रहते हैं कि विपक्षी गठबंधन अंतर्विरोधों से भरा हुआ है जिसमें कांग्रेस आम आदमी पार्टी से दिल्ली और पंजाब में लड़ रही है, लेफ्ट दलों से केरल में लड़ रही है, ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में लेफ्ट के बिल्कुल खिलाफ है और इसी तरह के हालात देश के कई अन्य राज्यों में भी है और गठबंधन में शामिल हर नेता प्रधानमंत्री बनने की इच्छा रखता है। सरकार ने संसद के विशेष सत्र को लेकर अपनी तरफ से एजेंडा साफ कर दिया है। संसद के आगामी विशेष सत्र के दौरान, आजादी के 75 सालों - संविधान सभा से लेकर आज तक की उपलब्धियां, यादों और अनुभव - पर चर्चा होगी। इसके साथ ही सरकार की तरफ से यह भी स्पष्ट कर दिया गया है कि 75 वर्षों की यात्रा पर चर्चा के साथ-साथ इस पांच दिवसीय सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक 2023, डाकघर विधेयक 2023, अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक 2023 और प्रेस और आवधिक पंजीकरण विधेयक 2023 को भी चर्चा के बाद पारित करवाया जाएगा।

39 दिन बाद कोटा बैराज के दो गेट खुले

चमकता राजस्थान, कोटा। मध्य प्रदेश के साथ ही कोटा सम्भाग में हो रही बारिश से नदी नालों में पानी की आवक शुरू हो गई है। पानी की अच्छी आवक के चलते 39 दिन बाद एक बार फिर से कोटा बैराज के गेट खोले गए है। दो गेट 2-2 फीट खोलकर 7 हजार 598 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। बताया जा रहा है कि जवाहर सागर से मशीन का पानी डिस्चार्ज होने से कोटा बैराज के गेट खोलकर पानी का स्तर मेंटेन किया जा रहा है। बता दें इससे पहले इस सीजन में 7 अगस्त को कोटा बैराज के 2 गेट को 5 फीट खोला गया था। करीब 6 हजार 229 क्यूसेक पानी की निकासी की गई थी। 854 फीट भरवा क्षमता वाले कोटा बैराज के 19 गेट हैं। यहां से साढ़े सात लाख क्यूसेक पानी की अधिकतम एक साथ निकासी की जा सकती है।

बारामूला एनकाउंटर में 3 आतंकी ढेर, 2 की बॉडी मिली

सेना के कमांडर ने कहा- पाकिस्तानी सेना ने आतंकियों की मदद की

बारामूला, (एजेंसी)। कश्मीर के बारामूला में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास उरी, हथलंगा इलाके में शनिवार (16 सितंबर) को सेना ने एनकाउंटर में तीन आतंकियों को मार गिराया। पीर पंजाल ब्रिगेड के कमांडर पीएमएस ढिल्लन ने बताया- सुबह 6 बजे से शुरू हुआ ऑपरेशन 8 घंटे बाद दोपहर 2 बजे खत्म हुआ, लेकिन सर्चिंग जारी है।

कमांडर ढिल्लन ने बताया- 2 आतंकियों के शव मिले, तीसरे की लाश, बॉर्डर के पास पड़ी थी, लेकिन पाकिस्तान पोस्ट से लगातार फायरिंग के कारण हमारे सुरक्षाबलों को बॉडी नहीं मिल सकी। पाकिस्तानी फौज आतंकियों की मदद कर रही थी। वे इन्हें कवर फायर दे रहे थे।

गोला-बारूद और पाकिस्तानी करेंसी भी बरामद : ढिल्लन ने बताया- एनकाउंटर साइट से एक एके-47, 7 मैगजीन, चाइनीज पिस्टल, ग्रेनेड, पाकिस्तानी करेंसी और पांच किलो ढ्ढश्वष्ठ भी बरामद की गई है। ये वही इलाका है जहां दिसंबर 2022 में सुरक्षा बलों ने एक बड़े आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया था। तब एक गुफा से हथियारों का जखीरा बरामद किया गया था।

पिछले 6 दिनों में सुरक्षाबलों का यह तीसरा एनकाउंटर है। 12 सितंबर को राजौरी में 2 आतंकी मारे गए और 1 जवान शहीद हुआ था। अनंतनाग के कोकेरनाग के जंगल में 13 सितंबर से एनकाउंटर जारी है। 4 जवान शहीद हो चुके हैं। यहां भी आतंकियों की तलाश जारी है।

घायल तीसरा आतंकी पाकिस्तानी सीमा में घुसा, ड्रोन से मौत की पुष्टि : पीर पंजाल ब्रिगेड के कमांडर पीएमएस ढिल्लन ने बताया- सुबह ऑपरेशन शुरू होने के बाद आधे घंटे में ही तीनों आतंकियों को ढेर कर दिया गया था। दो की बॉडी रिकवर कर ली गई थी। तीसरा आतंकी जो घायल था, वह नजदीकी पाकिस्तानी पोस्ट के फायरिंग सपोर्ट की मदद से बच निकला।

पाकिस्तानी आर्मी की पोस्ट से हमारी सेना पर फायरिंग की गई। उन्होंने हमारे ड्रोन पर भी फायरिंग की। घायल आतंकी करीब 400 मीटर पाकिस्तानी सीमा में चला गया। हमारा अनुमान है कि तीसरा घायल आतंकी भी मारा जा चुका है। हमारे ड्रोन कैमरे से मिली जानकारी के मुताबिक, उसकी लाश पाकिस्तान सेना ने रिकवर की है।

जी20 के दौरान, भारत का प्रयास 'वसुधैव कुटुंबकम' के मूल्यों के आधार पर पूरी दुनिया को एकजुट करना था : ओम बिरला

नई दिल्ली , (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारत में हाल ही में हुए जी-20 के शिखर संम्मेलन को सफल बताते हुए दावा किया कि जी- 20 के दौरान, भारत का प्रयास वसुधैव कुटुंबकम के मूल्यों के आधार पर पूरी दुनिया को एकजुट करना था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया के सामने आने वाली हर बड़ी चुनौती का समाधान प्रदान कर रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को नई दिल्ली में निर्यात में उत्कृष्टता के लिए भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रायोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विशिष्ट सभा को संबोधित करते हुए आगे कहा कि वैश्विक निर्यात क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों से आर्थिक विकास हुआ है और दुनिया भर में भारतीय ब्रांड और विनिर्माण मजबूत हुआ है। विश्व में भारत द्वारा किए जा रहे निर्यात के संदर्भ में बिरला ने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया भर के अधिकांश देश विभिन्न क्षेत्रों में नए नवाचार और अनुसंधान के आधार पर व्यवसाय बढ़ाने के प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में भारत ने हर क्षेत्र में विकास किया है। स्पीकर ने कहा कि आज का भारत सर्वसम्मति के आधार पर दुनिया के सामने आने वाली विभिन्न वर्तमान और भावी चुनौतियों का समाधान प्रदान करने की दिशा में काम कर रहा है और यह इसीलिए संभव हुआ है क्योंकि भारत केवल अपनी समृद्धि और कल्याण ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व की समृद्धि और कल्याण के लिए कार्य कर रहा है।

भरतपुर सेलजा वेलफेयर सोसायटी राजस्थान द्वारा आयोजित महा रोजगार मेला

चमकता राजस्थान

रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट जिला भरतपुर में सेलजा वेलफेयर सोसाइटी द्वारा श्री जसवंत प्रदर्शनी मेला ग्राउंड में रोजगार मेला का आयोजन किया गया। सोसायटी के अध्यक्ष राजेश मुंद्रा ने बताया की युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी को मध्य नजर रखते हुए भरतपुर शहर की कंपनिया जिनमे टी एम मोटर्स, विवेक टी वी एस, एस पी सिक्योरिटी मैनपॉवर प्राइवेट लिमिटेड, मीडियाटेक टेंपल जैसी कंपनियों ने अपने विभिन्न रिक्त पदों पर आवेदन स्वीकार किए। और तुरंत प्रभाव से आवेदक युवाओं का साक्षात्कार लेकर ज्वाइनिंग के भेजा रोजगार मेला में करीब 70 बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान सोसायटी के पदाधिकारी तेजपाल गौतम, अनिल सुराना , सुनील कुमार, वैभव अरोड़ा, नीतू गुप्ता आदि मौजूद रहे।

डग्गेमार वाहनों के रूप में दौड़ रही अधिकांश स्लीपर कोच बसें

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट जिला धौलपुर से जयपुर के लिए भेड़-बकरियों की तरह भर कर सवारी ढो रही है। स्लीपर कोच बसे परिवहन नियमो के अनुसार समय पार कर चुकी है। कई खटारा बस

रजिस्टर्ड टिकिट भी नहीं दी जाती सफर करने वाली सवारियों को,गंतव्य पर पहुंचने से पूर्व रास्ते में जबरन कहीं भी उतार दिया जाता है। सवारियों को,ना ड्रेसकोड, ना फर्स्ट एड और ना ही अन्य सुविधाओं की होती है व्यवस्था, धौलपुर बाड़ी से जयपुर जाने वाली अधिकांश स्लीपर कोच परिवहन नियमो को दिखा रही ठेंगा, कई बार इन बसों में सफर करने वाली सवारियां हादसों का हो चुकी है शिकार,परिवहन विभाग की मिलीभगत, दिखा रही परिवहन नियमो को ठेंगा, मजबूरी में सफर कर रही सवारियो की परेशानियों पर प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान,नहीं किया जाता है सवारियों का बीमा न मिलती है कोई सुविधा इस ओर शासन प्रशासन ध्यान दे।

सैंपऊ धौलपुर राजस्थान शिक्षक संघ(अम्बेडकर) धौलपुर की उप शाखा सैंपऊ के चुनाव सम्पन्न

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट जिला धौलपुर के सैंपऊ उपखण्ड में राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) उप शाखा सैंपऊ के ब्लॉक अध्यक्ष केदारनाथ बने। धौलपुर की उप शाखा सैंपऊ के चुनाव जिलाध्यक्ष औतार सिंह लहरी की अध्यक्षता में चुनाव पर्यवेक्षक सुरेश चन्द मौर्या प्रदेश मंत्री व ओमवीर सिंह लहरी तथा चुनाव अधिकारी अमिताभ कुमार एवं जगदीश मौर्या के द्वारा सर्वसम्मति से चुनाव सम्पन्न करवाया गया जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष केदारनाथ ब्लॉक महामंत्री भीकम सिंह ब्लॉक सभाध्यक्ष ओमवीर सिंह लहरी ब्लॉक कोषाध्यक्ष मोहरसिंह ब्लॉक संरक्षक बैजनाथ सागर ब्लॉक वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश सिंह ब्लॉक उपाध्यक्ष दिनेश कुमार ब्लॉक संगठन मंत्री बचनसिंह ब्लॉक संयुक्त मंत्री अशोक कुमार प्रवक्ता धर्मवीर सिंह प्रचार मंत्री अभय कुमार आदि को बनाया गया।समस्त नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलवायी गई तथा मिठाई खिलाकर व माला पहनाकर सम्मानित किया गया।इस मौक़े पर सुभाष देव रिंकू अमिताभ कुमार सुधीर सिंह भगवान दास दिनेश कुमार संजय सिंह देवेन्द्र सिंह रायसिंह व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

स्वर्णकार भारतीय अर्थ व्यवस्था की प्रमुख कड़ी - राजीव अरोड़ा

चमकता राजस्थान

जयपुर। जयपुर के राजस्थान चैंबर भवन में "भारतीय स्वर्णकार संघ" द्वारा शनिवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया।

स्वर्ण कारीगरी की विभिन्न विधाओं से जुड़े लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वर्णकार समाज की नई पीढ़ी को स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करना तथा सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय तथा भारतीय स्वर्णकार संघ के संयुक्त प्रयास से स्वर्ण, रजत व रत्नों के मूल्यांकन और परख के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करना था।

राजस्थान लघु उद्योग निगम के चेयरमैन राजीव अरोड़ा इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। राजीव अरोड़ा ने इस अवसर पर स्वर्णकार संघ को प्रदेश सरकार द्वारा व्यापार एवं निर्यात उन्नयन के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। अरोड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्णकार समाज और इस कार्य से जुड़े लोग देश व प्रदेश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं, स्वर्णकार प्रदेश की आर्थिकी के आधार की तरह हैं। जयपुर पूरी दुनिया में इस प्रतिष्ठित व्यवसाय का प्रमुख केंद्र है, यहां के व्यापारी इस क्षेत्र में निर्यात संवर्धन कर प्रदेश को आगे लेकर जा रहे हैं। राजीव अरोड़ा ने स्वर्णकार समाज की ईमानदारी और निष्ठा की प्रशंसा करते हुए कहा कि आप निरंतर अपनी कारीगरी एवं कला - कौशल से इस शहर को और अधिक समृद्ध बनाने के लिए प्रयासरत रहें।

उल्लेखनीय है कि दो दिवसीय इस शिविर का आयोजन रविवार 17 सितंबर तक किया जाएगा। इस शिविर के माध्यम से स्वर्णकारी विद्या से जुड़ा कोई भी व्यापारी, कर्मचारी स्वर्ण, रजत व रत्नों के मूल्यांकन एवं परीक्षण में प्रशिक्षण प्राप्त कर सरकार की तरफ से प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकता है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशक्तजन बच्चों को वितरित करवाये श्रवण यंत्र - सुनीता मीणा

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट जिला धौलपुर के मयूरी विध्यालय धौलपुर में सचिव सुनीता मीणा द्वारा 18 विशेष योग्यजन बच्चों को वितरित किये श्रवण यंत्र राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर की विशेष योग्यजनों के हितार्थ प्रारंभ की गयी योजना के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चिकित्सा विभाग व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, धौलपुर के सहयोग से आज दिनांक 16.09.2023 को मयूरी विशेष विद्यालय, धौलपुर में शिविर का आयोजन किया गया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश), धौलपुर सुनीता मीणा ने बताया कि इस शिविर में डॉ. पवन खंडेलवाल, ई.एन.टी विशेषज्ञ द्वारा निःशक्तजन बच्चों का परीक्षण कर सत्यापन किया गया। बाद परीक्षण सचिव सुनीता मीणा द्वारा सत्यापित कुल 18 निःशक्तजन बच्चों को श्रवण यंत्र मौके पर ही वितरित किये गये। उक्त शिविर के दौरान बच्चों द्वारा नृत्य प्रस्तुति दी गयी।

इस मौके पर मयूरी विशेष विद्यालय की संस्थापिका मधू गर्ग, प्रधानाचार्य मुक्ती त्यागी, डॉ. भूपेश पाराशर, पीयूष पाराशर, पुष्पेन्द्रपाल, म्यूजिक टीचर प्रज्ञा शर्मा, ललिता शर्मा, मुन्नीदेवी, राकेश, दिनेश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के विनीत गोयल, प्रदीप शर्मा, रामअवतार व समाज कल्याण की ओर से अभिषेक शर्मा आदि उपस्थित रहे।

नेट थियेट पर महफिल ए सुकून

तेरह नन्हें कलाकारों के सात पक्के स्वरों से सजी सांझ

चमकता राजस्थान

जयपुर। नेट थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज दस से बारह वर्ष के नन्हें कलाकारों ने अपने स्वर और ताल से महफिल ए सुकून को परवान चढाया।

नेट थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि जयपुर के संगीत घराने से ताल्लुक रखने वाले 13 नन्हे कलाकारों ने जब स्वर और ताल के साथ एक स्वर में *अलबेला सजन आयो री, मोरा अति मन सुख पायो री* सुनाया तो दर्शक वाह वाह कर उठे।

उसके बाद इन कलाकारों ने सुप्रसिद्ध सूफी कलाम *दमा दम मस्त कलंदर अलीशा पहला नंबर* और अंत में *छाप तिलक सब छीनी रे, मोसे नैना मिला के* बड़े ही मनोयोग के साथ सुनाकर अपने कलाकार होने का परिचय दिया। इस कार्यक्रम में गायन पर कलाकार मिजान हुसैन, अरमान, जीशान, एजान, ईलेश ने जब अपने सुरों को छेड़ा तो लगा कि यह संगीत का हमारा भविष्य है।

इनके साथ तबले पर मोहसिन खान, ढोलक पर फैजल, गिटार पर जीशान, खड़ताल पर अयास खान, और कीबोर्ड पर लकी और रियान खान ने असरदार संगत कर कार्यक्रम को परवान चढ़ाया।

कार्यक्रम संयोजक नवल डागी और इमरान खान, कैमरा और लाइट्स मनोज स्वामी, संगीत सागर गढ़वाल, मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू और जीवितेश शर्मा की रही।

अछनेरा स्टेशन पर किलाबंदी कर चलाया टिकट चेकिंग अभियान

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट अछनेरा स्टेशन पर बिना टिकट/अनाधिकृत यात्रा तथा स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाने/धूम्रपान करने वालों के विरूद्ध चलाया गया टिकट चेकिंग अभियान बिना टिकट/अनाधिकृत यात्रा करने बाले यात्रियों में मचा हड़कंप मंडल रेल प्रबंधक आगरा तेज प्रकाश अग्रवाल के निर्देशानुसार व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आगरा अमन वर्मा के निर्देशन मे सहायक वाणिज्य प्रबंधक आगरा वीरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में बिना टिकट यात्रियों की रोकथाम हेतु दिनांक-16/09/2023 को अछनेरा स्टेशन एवं स्टेशन से गुजरने वाली विभिन्न गाड़ियों पर बिना टिकट यात्रा ,अनियमित यात्रा ,बिना बुक लगेज, गंदगी फ़ैलाने वालों के विरुद्ध अछनेरा स्टेशन पर किलाबंदी कर जाँच की गई जिसके परिणामस्वरूप जांच के दौरान 54 बिना टिकट यात्रियों से रु-23,130/-, अनाधिकृत यात्रा करने बाले 09 यात्रियों से रु.- 4,050/ तथा 06 यात्रियों से गंदगी फैलाने/धूम्रपान करने के फलस्वरूप रु.- 600/- सहित कुल 69 यात्रियों से रु.- 27,780/- का जुर्माना वसूल किया गया। जांच में CMI टिकट चैकिंग आर के सिंह CTI लहरीराम मीना, बलजीत सिंह CTI, एवम गुलजार मोहम्मद CTI के साथ अन्य टिकट जांच कर्मचारी मौजूद रहे ।जनसंपर्क अधिकारी कु. प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्रकार की जांच मंडल में निरंतर कराई जा रही हैं। अतः यात्रियों से अनुरोध है कि वह उचित यात्रा टिकट लेकर एवम निर्धारित सीमा से अधिक सामान को बुक कराकर ही यात्रा करे तथा रेल परिसर में गंदगी न फैलाए ।

निःशक्तजन हेतु 19 सितम्बर को लगाया जायेगा कैम्प- सुनीता मीणा

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट जिला धौलपुर के सैपऊ उपखण्ड में निःशक्तजन 19 सितम्बर को सामान्य चिकित्सालय, सैंपऊ में उपस्थित होकर बनवायें अपना निःशक्तता प्रमाण पत्र/यूडीआईडी कार्ड एवं करायें सत्यापन -सुनीता मीणा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश), धौलपुर सुनीता मीणा ने बताया कि राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर की विशेष योग्यजनों के हितार्थ प्रारंभ की गयी योजना के तहत इस प्राधिकरण द्वारा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से दिनांक 19.09.2023 को प्रातः 10.00 ए.एम. बजे सामान्य चिकित्सालय, सैंपऊ में एक दिवसीय शिविर का आयोजन रखा गया है। इस शिविर हेतु चिकित्सा विभाग द्वारा निःशक्तजन के सत्यापन बाबत् मेडिकल बोर्ड का गठन कर नेत्र रोग, ई.एन.टी, मनोरोग व अस्थि रोग विशेषज्ञों को नियुक्त किया गया है। इस शिविर में 40 प्रतिशत एवं अधिक निःशक्तताधारी विशेष योग्यजन जिनकी सत्यापन प्रक्रिया लंबित है, उनके सत्यापन होंगे एवं जिनके अभी तक निःशक्तता प्रमाण पत्र/ यूडीआईडी कार्ड नहीं बने हैं, उनके नवीन निःशक्तता प्रमाण पत्र/ यूडीआईडी कार्ड बनाये जायेंगे। सैंपऊ ब्लॉक के सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मानवीय रूख अपनाते हुये आपके क्षेत्र के रहवासी विशेष योग्यजनों को इस शिविर के बारे में जानकारी प्रदान करावें ताकि विशेष योग्यजन अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठायें। विशेष योग्यजन ई-मित्र कियोस्क पर अपनी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूर्ण करवाने के पश्चात उसकी प्रति साथ में लेकर शिविर स्थान पर उपस्थित होवें। रजिस्ट्रेशन हेतु आधार कार्ड/ पहचान पत्र, जनआधार कार्ड, मूल निवास, आय प्रमाण पत्र, एक पासपोर्ट साईज फोटो, बैंक डायरी की प्रति व मोबाईल नम्बर आदि दस्तावेजात की आवश्यकता होगी।

हिंडौन में कोहरे से लिपटी हुई सांस पुस्तक का विमोचन

चमकता राजस्थान

रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट हिंडौन सिटी हिण्डौन शहर के उभरते हुए साहित्यकार सोमनाथ शर्मा की नई रचना "कोहरे से लिपटी हई सांझ" पुस्तक का आज 14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर विमोचन किया गया। नीराजन संस्था के हेमन्त सोनी ने बताया कि आज 14 सितंबर गुरुवार को झारेडा रोड़ स्थित आशा मैरिज होम में आयोजित हिन्दी दिवस कार्यक्रम में हिण्डौन के उभरते हुए साहित्यकार सोमनाथ शर्मा द्वारा लिखित काव्य संग्रह पुस्तक "कोहरे से लिपटी हुई सांझ" का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में साहित्यकार राजाराम भादू मुख्य अतिथि रहे और अध्यक्षता डॉ. दया महलावत ने की जबकि चरणसिंह पथिक,जयगोविंद बेंदिल,बैंक मैनेजर कृष्ण मोहन गुप्ता व यादराम धाकड़ विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में नीराजन संस्था की ओर से अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर पूर्व उपसभापति नफ़ीस अहमद, समाजसेवी और श्रेष्ठा संगीत व साहित्य संगम के प्रेरक ओ पी मंगल,भारत विकास परिषद के देवेंद्र शर्मा,निहाल सिंह,ओमी धाकड़, राज्य पर सम्मानित शिक्षक कृष्ण बिहारी पाठक राघवेंद्र भारद्वाज दयाल सिंह सोलंकी मनीष भारद्वाज, संतोष गुप्ता,अरविंद धाकड़,शत्रुघ्न सोलंकी,सोहन शर्मा, सतीश गोयल, छैल बिहारी पाठक, विजेंद्र सिंघल सहित उपस्थित रहे।

बागवान विहार, करतारपुरा के रात्रि जागरण में मुख्य अतिथि रहे राजीव अरोड़ा

चमकता राजस्थान

जयपुर। बागवान विहार, करतारपुरा में स्थित प्राचीन भैरव बाबा मंदिर में शनिवार को क्षेत्रवासियों की तरफ से भजन संध्या एवं रात्रि जागरण का आयोजन किया गया।

राजस्थान लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

स्थानीय पार्षद महेंद्र हिंगोनिया, नवी लाल चौहान, दीपक बागवान, विजय सिंह तथा क्षेत्रवासियों ने बड़े उत्साह के साथ अरोड़ा का स्वागत किया।

राजीव अरोड़ा ने मंदिर में पूजा कर मालवीय नगर विधानसभा और जयपुर वासियों की खुशहाली के लिए कामना की। मीडिया से बात करते हुए राजीव अरोड़ा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज और क्षेत्र में एकता व सद्भाव का प्रसार होता है। इन प्रयोजनों के चलते जब लोग आपस में मिलते हैं, तो हमारे सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध मजबूत बनते हैं।

जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत को मिली सफलताओं से भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ संभावनाएं पैदा हुई हैं। जी-20 बैठक के दौरान भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईईसी) की घोषणा में भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक एशियाई केंद्र बनाने की क्षमता है। आईएमईईसी के जरिये भारत के पास पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने का एक ऐतिहासिक अवसर है। यह क्षेत्र को स्थिर करेगा, नौकरियां बढ़ाएगा और इसे चीनी प्रलोभनों के प्रति कम संवेदनशील बनाएगा। भारत आने वाले समय में सेमीकंडक्टर का हब बनेगा। बुनियादी डिजिटल ढांचे का निर्माण और अगली टेक-क्रांति का रास्ता भारत तैयार कर रहा है। 5जी, आईओटी और क्लीन एनर्जी-टेक का विस्तार हो रहा है। हमारे पास दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला स्टार्टअप इको-सिस्टम है। 21 वीं सदी की जरूरतों के लिए हम युवा-कौशल प्रशिक्षण में भारी निवेश कर रहे हैं। ग्लोबल साउथ में भारत की संभावनाओं पर केंद्रित आजकल का यह अंक...

ग्लोबल सप्लाई-चेन का हब बनेगा भारत

विश्लेषण
प्रमोद जोशी
वरिष्ठ पत्रकार

पिछले साल अप्रैल में बेंगलुरु में आयोजित तीन दिन के सेमीकॉन इंडिया कॉन्फ्रेंस-2022 के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, भारत आने वाले समय में सेमीकंडक्टर का हब बनेगा। प्रधानमंत्री ने उन कुछ कारणों को गिनाया जिनकी वजह से भारत सेमीकंडक्टर और टेक्नोलॉजी के लिए एक आकर्षक मुकाम होगा। सवा साल पहले कही गई उस बात पर काफी लोगों ने ध्यान नहीं दिया, पर इस विषय पर नज़र रखने वालों ने उसके पहले देख लिया था कि ग्लोबल सप्लाई-चेन में बदलाव आने वाला है। इसके पीछे एक वजह चीन की बढ़ती आक्रामकता है। पिछले तीन दशकों में पश्चिमी देशों ने चीन में भारी निवेश और तकनीकी हस्तांतरण करके उसे वैश्विक सप्लाई-चेन का हब तो बना दिया, पर उसके भू-राजनीतिक निहितार्थ पर ध्यान नहीं दिया। चीन ने सबको आंखें दिखानी शुरू कर दी हैं। सप्लाई चेन का मतलब है कि चीन का वैश्विक-कारखाने के रूप में तब्दील हो जाना।

जी-20 के शिखर-सम्मेलन में भारत को मिली सफलताओं से भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ संभावनाएं पैदा हुई हैं। पिछले साल अप्रैल में बेंगलुरु में आयोजित तीन दिन के सेमीकॉन इंडिया कॉन्फ्रेंस-2022 के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, भारत आने वाले समय में सेमीकंडक्टर का हब बनेगा। प्रधानमंत्री ने उन कुछ कारणों को गिनाया जिनकी वजह से भारत सेमीकंडक्टर और टेक्नोलॉजी के लिए एक आकर्षक मुकाम होगा। बुनियादी डिजिटल ढांचे का निर्माण और अगली टेक-क्रांति का रास्ता भारत तैयार कर रहा है। 5जी, आईओटी और क्लीन एनर्जी-टेक का विस्तार हो रहा है। हमारे पास दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला स्टार्टअप इको-सिस्टम है। 21वीं सदी की जरूरतों के लिए हम युवा-कौशल प्रशिक्षण में भारी निवेश कर रहे हैं। हमारे पास दुनिया के 20 फीसदी सेमीकंडक्टर डिजाइन इंजीनियरों का असाधारण टेलंट पूल है। दुनिया की शीर्ष 25 कंपनियों के सेमीकंडक्टर डिजाइन सेंटर हमारे यहां हैं। जब सारी दुनिया महामारी से लड़ रही थी, भारत न केवल लोगों के, बल्कि अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य को सुधार रहा था और उसने विनिर्माण के अपने इंफ्रास्ट्रक्चर में भारी बदलाव किए हैं।

आसन्न बदलाव

सवा साल पहले कही गई उस बात पर काफी लोगों ने ध्यान नहीं दिया, पर इस विषय पर नज़र रखने वालों ने उसके पहले देख लिया था कि ग्लोबल सप्लाई-चेन में बदलाव आने वाला है। इसके पीछे एक वजह चीन की बढ़ती आक्रामकता है। पिछले तीन दशकों में पश्चिमी देशों ने चीन में भारी निवेश और तकनीकी हस्तांतरण करके उसे वैश्विक सप्लाई-चेन का हब तो बना दिया, पर उसके भू-राजनीतिक निहितार्थ पर ध्यान नहीं दिया। चीन ने सबको आंखें दिखानी शुरू कर दी हैं। सप्लाई चेन का मतलब है कि चीन का वैश्विक-कारखाने के रूप में तब्दील हो जाना। यह केवल उत्पादन तक सीमित नहीं होती, बल्कि इसमें उत्पादन के विभिन्न चरण शामिल होते हैं। मसलन डिजाइन, असेंबली, मार्केटिंग, प्रोडक्शन और सर्विसिंग वगैरह। ये उत्पाद दूसरे उत्पादों के लिए सहायक होते हैं। मसलन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का विकास इस चेन पर निर्भर करता है। इससे दुनिया को सस्ता माल मिलेगा और इन कार्यों पर लगी पूंजी पर बेहतर मुनाफा।

ग्लोबल सप्लाई-चेन

दुनिया की सप्लाई-चेन चीन के गुआंगदोंग, अमेरिका के ओरेगन, भारत के मुंबई, दक्षिण अफ्रीका के डरबन, अमीरात के दुबई, फ्रांस के रेन से लेकर चिली के पुंटा एरेनास जैसे शहरों से होकर गुजरने वाले विमानों, ईमेलों, कंटेनर पोतों, रेलगाड़ियों, पाइपलाइनों और ट्रकों पर सवार होकर चलती है। एयरबस, बोइंग, एपल, सैमसंग, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, ऑरेकल, वीज़ा और मास्टरकार्ड ने अपने बहुराष्ट्रीय ऑपरेशनों की मदद से दुनिया को जोड़ रखा है। एक देश से उठकर कच्चा माल दूसरे देश में जाता है, जहां वह प्रोडक्ट के रूप में तैयार होकर किसी तीसरे देश में जाता है। पिछले छह वर्षों से वैश्विक-तंत्र में तनाव बढ़ रहा है। अमेरिका और चीन के बीच आयात-निर्यात शुल्कों के टकराव के साथ इसकी शुरुआत हुई थी।

रूपांतरण शुरू

एपल ने कुछ प्रोडक्ट्स का उत्पादन चीन से हटाकर वियतनाम में शुरू कर दिया है। पिछले साल मई के महीने में सैमसंग, स्टेलैंटिस और ह्युंडे ने अमेरिका की इलेक्ट्रिक कार फैक्टरियों में 8 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की। तीन दशक पहले जो बाजार चीन-केंद्रित था, वह दूसरी जगहों की तलाश में है। पश्चिमी निवेशक अब 'चाइना प्लस वन' नीति पर काम कर रहे हैं। उन्होंने चीन को पूरा तरह त्यागा नहीं है, पर विकल्प खोज लिए हैं। इन विकल्पों में भारत भी है, बल्कि सबसे बड़ा विकल्प है। पिछले साल भारत ने यूएई के साथ व्यापक आर्थिक-सहयोग का समझौता किया था। इधर खबरें हैं कि खाड़ी के देशों के साथ भी समझौते पर बात चल रही है। फिर भारत-ऑस्ट्रेलिया मुक्त-व्यापार पर शुरुआती समझौता हुआ। इस साल के अंत तक यह समझौता पूरा हो जाएगा। यूके-भारत और ईयू-भारत समझौतों पर भी बात चल रही है। भारत सरकार ने नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन के जरिए अगले पांच वर्षों में 1.4 ट्रिलियन डॉलर के निवेश का कार्यक्रम बनाया है। लक्ष्य है ऊर्जा, परिवहन और शहरी विकास का इंफ्रास्ट्रक्चर और इसके साथ डिजिटल कनेक्टिविटी और स्मार्ट सिटीज़। शिपिंग और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार के लिए 25 अरब डॉलर के निवेश की योजना है।

चीन का वर्चस्व

ग्लोबल सप्लाई-चेन की अवधारणा पिछले 100 साल में ही विकसित हुई है। खासतौर से 80 के दशक में अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण के साथ इसका विस्तार हुआ है। इसमें वस्त्र, परिधान, खाद्य-प्रसंस्करण और अन्य उपभोक्ता सामग्री से लेकर ऑटोमोबाइल्स, विमान, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्युटिकल्स उद्योग तक शामिल हैं। चीन में उपलब्ध सस्ते-लेबर के कारण वह उत्पादन का केंद्र बना। उसका यह वर्चस्व अब टूट रहा है, पर उसमें समय लगेगा। इस साल जून में प्रधानमंत्री की अमेरिका-यात्रा के दौरान यह स्पष्ट हो गया था कि भारत-अमेरिका रिश्तों के केंद्र में सप्लाई-चेन का विचार है। 'भारत-पश्चिम एशिया आर्थिक कॉरिडोर' की घोषणा से यह बात और स्पष्ट हो गई है।

भारत-अमेरिका रिश्ते

यूरोप और अमेरिका के लिए सप्लाई-चेन का भारत बेहतर ठिकाना तो साबित होगा ही, साथ ही इससे पश्चिम एशिया के पेट्रोलियम-कारोबार से निकल कर बाहर आ रही पूंजी को भी निवेश का एक बेहतर स्थान मिलेगा। पश्चिमी देशों ने चीन का विकल्प कई कारणों से खोजना शुरू किया था। एक तो चीन में भी कामगारों के वेतन बढ़ रहे थे। दूसरे उत्पादन में कई तरह के अवरोध पैदा होने लगे। चीन सरकार ने विदेशी-कंपनियों को नियंत्रित करना शुरू कर दिया था। कोविड-19 के दौरान ये अवरोध बहुत ज्यादा हो गए। चीन ने हांगकांग में अपना राजनीतिक-शिकंजा कसना शुरू कर दिया। इन वजहों से 2022 के बाद से चीन और हांगकांग से होने वाले निर्यात में क्रमशः 15 और 27 फीसदी की कमी आ गई है। यह सप्लाई इंटरमीडिएट गुड्स की थी। यानी इन वस्तुओं या उपकरणों के सहारे अमेरिका और जापान जैसे देशों में दूसरे उपकरण बनते हैं। उनका उत्पादन भी प्रभावित हुआ। इसी दौरान अमेरिका और चीन के बीच व्यापार-युद्ध भी शुरू हो गया।

बाजी पलटी

अमेरिका के दबाव में दिसंबर 2020 में हुआ यूरोपियन यूनियन और चीन का कांप्रिहैंसिव एग्रीमेंट ऑन इनवेस्टमेंट (सीएआई) खटाई में पड़ गया। ईयू देश अपने लिए बाजार खोज रहे हैं। उन्हें चीन का बाजार खुलता नजर आता था। चीन को उम्मीद थी कि उसकी बाजार की ताकत के कारण ईयू और अमेरिका में चीन-विरोध को लेकर सहमति नहीं बनेगी, पर अब यूरोप भी चीन से दूर चला गया है। हाल में ब्रिटिश पत्रिका इकोनॉमिस्ट ने चीन पर काबू पाने से जुड़े विकल्पों में ऑल्टरनेटिव एशियन सप्लाई-चेन, संक्षेप में 'ऑल्टेशिया' का नाम लिया है। इकोनॉमिस्ट के अनुसार फौरन कोई एक देश चीन का विकल्प नहीं बन सकता, पर एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 14 देशों के समूह की सामूहिक-क्षमता चीन के बराबर है। ये देश हैं जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, फिलीपींस, ब्रूनेई, मलेशिया, इंडोनेशिया, वियतनाम, लाओस, कंबोडिया, थाईलैंड, सिंगापुर, बांग्लादेश और भारत। इस क्षमता में कुशल कामगार, संसाधन, लॉजिस्टिक्स और परिवहन सुविधाएं शामिल हैं।

बदलता वक्त

इन 14 देशों ने सितंबर 2022 तक उसके पिछले एक साल में 634 अरब डॉलर की सामग्री अमेरिका को भेजी थी। इसके मुकाबले चीन का अमेरिका को निर्यात केवल 614 अरब डॉलर का ही था, पर इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्यात में ये 14 देश भी कुल मिलाकर चीन के बराबर नहीं हैं। अलबत्ता यह कारोबार अब चीन से निकलकर दूसरे देशों में जा रहा है। ताइवान की फॉक्सकॉन, पेगाट्रॉन और विस्ट्रॉन ने, जो एपल के गैजेट्स को असेंबल करती हैं, भारत में काफी निवेश किया है। पिछले साल दुनिया में एपल के 20 आईफोन में से एक भारतीय फोन था, जो 2025 तक चार में एक हो जाएगा। गूगल ने हाल में अपने पिक्सेल स्मार्टफोन का उत्पादन चीन से हटाकर वियतनाम में लगाया है। बांग्लादेश और श्रीलंका भी भारत के सहायक हो सकते हैं, जो सिले-सिलाए परिधानों के निर्यात में सफल हैं। फूड-प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल और परिधान, ऑटोमोबाइल्स, फार्मास्युटिकल्स, स्वास्थ्य सेवाएं और यहां तक कि शिक्षा जैसी सेवाएं भी लाइन में हैं।

विकल्पों की तलाश

सप्लाई-चेन को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने की भी कीमत होती है। नई जगहों की तलाश करने, कर्मचारियों की भरती, उन्हें प्रशिक्षण देने, नई मशीनरी या शिफ्ट करने की लागत होती है। चीन से एकमुश्त हटना न तो आसान है और न रातोंरात संभव। शुरुआत दक्षिण पूर्व एशिया के वियतनाम और थाईलैंड जैसे देशों से हुई है। अब संकेत हैं कि भारत को बड़ा हब बनाया जा सकता है। यह फैसला देश की भौगोलिक-स्थिति, उसके इंफ्रास्ट्रक्चर, आर्थिक-सामर्थ्य और नीतियों पर भी निर्भर करता है। भारत में हाल में आईफोन तथा दूसरे मोबाइल फोनों के उत्पादन में वृद्धि तथा सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए बढ़ रही गतिविधियों से यह संकेत मिला है। देश में ऑटोमोबाइल्स, फार्मास्युटिकल्स सेक्टर पहले से व्यवस्थित है। अब इलेक्ट्रॉनिक्स का भी विस्तार हो रहा है।

भारतीय विकल्प

विश्व व्यापार संगठन के अनुसार भारत दुनिया में इंटरमीडिएट गुड्स यानी ऐसी सामग्री का, जो दूसरे उत्पादों के निर्माण में सहायक होती है, आयात करने वाले देशों में पांचवें स्थान पर है। वह वैश्विक बाजार में उपलब्ध कुल सामग्री का करीब 5 फीसदी अपने यहां मंगाता है और 1.5 प्रतिशत ऐसी सामग्री का निर्यात करता है। भारत की तुलना में चीन 23.4, अमेरिका 16.2, जर्मनी 9.4 और हांगकांग 6 प्रतिशत ऐसी सामग्री मंगाते हैं। अब भारत का लक्ष्य ऐसी सामग्री के निर्यात को जल्द से जल्द दोगना-चौगुना करने का है। भारत पहले से ही सेवा के क्षेत्र में अग्रणी है। सूचना-संचार प्रौद्योगिकी, बैक ऑफिस कार्यों, वित्तीय सेवाओं और लॉजिस्टिक्स वगैरह में तेजी आ रही है।

भारत चीन को देगा आर्थिक टक्कर

जी-20
डॉ. जयंतीलाल भंडारी
अर्थशास्त्री व विशेषज्ञ

जी-20 के शिखर सम्मेलन की ऐतिहासिक सफलता से जहां दुनिया में भारत का जयघोष हुआ है, वहीं जी-20 से प्राप्त नई शक्ति से भारत चीन को आर्थिक टक्कर देने की स्थिति में दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि जी-20 शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक बार फिर क्वाड संगठन के प्रति अपने-अपने देश की न सिर्फ प्रतिबद्धता जताई है बल्कि सीधे तौर पर चीन को यह संदेश दिया है कि क्वाड के सदस्य देश अमेरिका भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान आर्थिक रूप से एक दूसरे को और मजबूती देंगे। साथ ही मौजूदा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला व्यवस्था की जगह एक दूसरी वैकल्पिक व्यवस्था को मूर्त रूप देंगे। जी-20 के सफल आयोजन के साथ यह बात उभरकर आई कि 'चीन प्लस वन' रणनीति के तहत भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला वाले देश की भूमिका निभा सकता है। जी-20 में घोषित हुए भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कारिडोर (आईएमईसी) के माध्यम से रेल एवं जल मार्ग से भारतीय कंपनियों के लिए नए अवसरों का ऐसा ढेर लगाया जा सकेगा, जिससे चीन की तुलना में भारत की प्रतिस्पर्धा क्षमता भी बढ़ जाएगी।

अमेरिका-ब्रिटेन सहित दुनिया के प्रतिष्ठित समाचार पत्र-पत्रिकाओं और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की स्पेशल रिपोर्टों में यह बात भी एकमत से कही जा रही है कि जी-20 की नई शक्ति से सुसज्जित भारत नए वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश की भूमिका में उभरकर आया है और चीन को आर्थिक टक्कर देने की स्थिति में है। ऐसे में जहां भारत एक ओर अधिक रणनीतिक प्रयासों से भारतीय बाजार में चीन के प्रभुत्व को कम कर सकता है, वहीं दूसरी ओर दुनिया के बाजार में उद्योग-कारोबार, निर्यात और निवेश के अधिक मौकों को मुठ्ठियों में ले सकता है। निःसंदेह भारत के द्वारा चीन को आर्थिक टक्कर देने की मजबूत स्थिति के कई कारण दिखाई दे रहे हैं। वैश्विक आर्थिक-वित्तीय संगठनों की नई रिपोर्टों में साफ है कि चीन की अर्थव्यवस्था में सुस्ती का दौर है और भारत की विकास दर चीन की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार वर्ष 2023-24 में भारत की विकास दर 6.1 फीसदी रहेगी जो चीन की विकास दर से बहुत अधिक रहेगी। दुनिया की दिग्गज आर्थिक शोध व बाजार पर नजर रखने वाली ब्रोकरेज फर्म मोर्गन स्टेनली के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक इस दशक के अंत तक जहां भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत पर रहेगी, वहीं चीन 3.9 प्रतिशत की सुस्त दर से विकास करेगा यानी भारत की विकास दर की रफ्तार चीन से दो तिहाई ज्यादा रहेगी। खास बात यह है कि, मार्गन स्टेनली ने भारत की इकोनॉमिक आउटलुक रेटिंग बढ़ाकर ओवरवेट, तो चीन की घटाकर इक्वलवेट की है। ओवरवेट रेटिंग का मतलब बाजार दूसरों से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है और आगे भी प्रगति की पूरी संभावनाएं है। भारत की इकोनॉमी अपनी श्रेणी के दूसरे देशों से बेहतर

करेगी। चीन की रेटिंग का इक्वलवेट होना बताता है कि चीन के प्रति वैश्विक निवेशकों की भावना नकारात्मक है। चीन की आउटलुक रेटिंग गिरना यह संकेत भी है कि चीन के बाजारों में निवेश के अवसरों में कमी आने की संभावनाएं बनी हुई हैं। दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। मॉर्गन स्टेनली ने अपनी रिपोर्ट में भारत को एशिया के सबसे उभरते बाजारों की लिस्ट में पहले नंबर पर रखा है। भारत में ढांचागत विकास की तेजी, बढ़ते विदेशी निवेश, बढ़ते शेयर बाजार, मजबूत राजनीतिक नेतृत्व, मध्यम वर्ग की ऊंची क्रय शक्ति, कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती, बढ़ते हुए कामकाजी उम्र वाले लोग जैसे कारण अर्थव्यवस्था की ताकत बढ़ा रहे हैं।

इतना ही नहीं दुनियाभर में कल तक जिस भारत को सिर्फ एक बड़े बाजार के रूप में देखा जाता था, वह अब वैश्विक चुनौतियों के समाधान का हिस्सा बन गया है। लंबे समय तक भारत को एक अरब से अधिक भूखे पेट वाले लोगों के राष्ट्र के रूप में जाना जाता था, लेकिन अब भारत युवाओं के राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है। भारत ने दुनिया का दृष्टिकोण बदल दिया है। कोविड महामारी के दौर के जहाँ भारत ने 150 से अधिक देशों को कोरोना दवाओं व टीकों की आपूर्ति की, वहीं अब तक वैश्विक मंदी की निराशाओं के बीच भारत सक्षम आपूर्ति श्रृंखला वाले देश के रूप में उभरकर दिखाई दे रहा है। स्थिति यह है कि चीन की बढ़ती हुई आर्थिक समस्याओं और आपदाओं के बीच भारत के लिए आर्थिक अवसरों का नया दौर आकार ग्रहण करते हुए दिखाई दे रहा है। चीन-ताइवान के बीच चरम पर पहुंची तनातनी और चीन के द्वारा अपनाई जा रही अमेरिका के विरोध की रणनीति के कारण चीन से वैश्विक फंड मैनेजर्स और विदेशी संस्थागत निवेशकों का मोह भंग होने लगा है। घटती मांग के कारण ये चीन के शेयर बाजार से धन निकालकर भारत सहित अन्य देशों में भेज रहे हैं। दुनिया में अमेरिका के बाद चीन की अर्थव्यवस्था दूसरे क्रम पर है, जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था 5वें क्रम पर है। वैश्विक रिपोर्टों के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार करीब 3.7 लाख करोड़ डॉलर हो गया है। जबकि चीन की अर्थव्यवस्था का आकार भारत से पांच गुना अधिक है। चीन की प्रति व्यक्ति आय भी भारत से पांच गुना अधिक है। साथ ही अगस्त 2023 में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार से चीन के विदेशी मुद्रा भंडार का आकार पांच गुना है। ऐसे में इस समय दुनिया के करोड़ों लोग अर्थविशेषज्ञों से यह पूछ रहे हैं। भारत आर्थिक वृद्धि को गति देकर चीन की अर्थव्यवस्था को कैसे पीछे छोड़ सकता है? इसके जवाब में अर्थविशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा संभव है, क्योंकि जहां जी-20 से भारत को दुनिया के विकसित और विकासशील देशों से विकास की अभूतपूर्व संभावनाएं मिली हैं, वहीं अब चीन दुनिया के इतिहास का ऐसा पहला देश बनेगा जो अमीर होने से पहले बूढ़ा हो जाएगा। चीन में 2050 तक करीब 70 फीसदी आबादी ऐसी होगी जो काम करने वाले लोगों पर निर्भर होगी। फिलहाल यह 35 फीसदी है। निःसंदेह चीन से आगे निकलने के लिए भारत को कई बातों पर ध्यान देना होगा। भारत के द्वारा के कार्यकुशलता के स्तर को बढ़ाने और मानव पूंजी को डिजिटल कौशल युक्त बनाने पर काम करना होगा। महिला श्रम बल भागीदारी केवल 24 प्रतिशत है, इसे बढ़ाना होगा। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में पीएलआई के जरिये उत्पादन और नौकरियां बढ़ानी होंगी।

हम उम्मीद करें कि जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान क्वाड सहित दुनिया के विभिन्न देशों से भारत को चीन प्लस वन रणनीति के साथ नए निर्मित होने वाले भारत-मध्यपूर्व-यूरोप आर्थिक कारिडोर के अभूतपूर्व लाभ मिलने की जो नई संभावनाएं उभरी हैं, भारत उन्हें मुठ्ठी में अवश्य लेगा। यदि हम विभिन्न रणनीतियों के साथ चीन को आर्थिक टक्कर देते हुए 8-9 फीसदी विकास दर के साथ लगातार आगे बढ़ेंगे तो भारत 2047 में दुनिया का विकसित देश बनने के साथ-साथ चीन को विकास की डगर पर पीछे छोड़ने वाले देश के रूप में भी चमकते हुए दिखाई देगा।

ग्लोबल साउथ में भारत के पास अवसर

आर्थिक विश्लेषण
शंभू भद्र
वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

हाल में भारत में संपन्न हुए जी-20 के सफल शिखर सम्मेलन ने भारत के नेतृत्व, सामर्थ्य और अवसरों को वैश्विक बना दिया है। जी-20 बैठक के दौरान भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईईसी) की घोषणा में भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक एशियाई केंद्र बनाने की क्षमता है। आईएमईईसी के जरिये भारत के पास पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने का एक ऐतिहासिक अवसर है। यह क्षेत्र को स्थिर करेगा, नौकरियां बढ़ाएगा और इसे चीनी प्रलोभनों के प्रति कम संवेदनशील बनाएगा।

चीन के भीतर बढ़ती मजदूरी, विदेशी कंपनियों के लिए चीनी सरकार के सख्त विनियमन, वैश्विक बाजार में बढ़ती चीनी मोनोपोली, अमेरिका से ट्रेड वार, अपनी आर्थिक शक्ति का सैन्य दुरुपयोग आदि के चलते कोविड-19 महामारी से पहले ही, पश्चिमी कंपनियों ने चीन पर अपनी निर्भरता कम करना शुरू कर दिया था। पश्चिमी खरीदारों के बीच सोर्सिंग बाजार के रूप में चीन की लोकप्रियता कम हो रही है। इसके बाद से ग्लोबल सप्लाई चेन के लिए विश्व के प्रमुख देशों ने चीन+ नीतियों पर काम शुरू किया, जिसके तहत मैन्यूफैक्चरिंग को चीन के साथ वियतनाम, ताइवान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, फिलीपींस, भारत, थाईलैंड, बांग्लादेश आदि एशियाई देशों में शिफ्ट किया जाने लगा। चीन+ नीति का मतलब है कि चीन से सभी उत्पादन को धीरे धीरे दूसरे मुल्कों में शिफ्ट किया जा रहा है। चूंकि उत्पादन को अचानक स्थानांतरित करना मुश्किल है, यह खर्चीला भी है, इसलिए क्रमवार शिफ्ट किया जाएगा। आज भारत और दक्षिण पूर्व एशिया को आकर्षक आपूर्ति श्रृंखला केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। इसके पीछे वजह है कि दक्षिण पूर्व एशिया ने सस्ते वेतन, राजकोषीय प्रोत्साहन और बेहतर लॉजिस्टिक्स के साथ विदेशी कंपनियों को आकर्षित किया है। इनमें अपनी उदार नीतियों की वजह से भारत ग्लोबल निवेशकों के लिए तेजी से आकर्षक गंतव्य बन रहा है। समय के साथ, भारत विदेशी प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से लाभ प्राप्त करके और मूल्य-वर्धित नौकरियां पैदा करके चीन के लिए एक पूरक एशियाई विनिर्माण केंद्र बना है। भारत में आईफ़ोन, मर्सिडीज, चिप बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी आदि अपनी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट लगा रही हैं। सैकड़ों अमेरिकी, जापानी, दक्षिण कोरियाई, चीनी व यूरोपीय कंपनियां भारत में उत्पादन कर रही हैं।

भारत ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई नीतिगत कदम उठाए हैं, इनमें पीएलआई, नई लॉजिस्टिक्स पॉलिसी, टैक्स में छूट, एफडीआई नियमों को उदार बनाना, स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन आदि शामिल हैं। भारत का फोकस सेमीकंडक्टर, हरित हाइड्रोजन, रक्षा उपकरणों जैसे उच्च तकनीक वाले विनिर्माण पर है। स्पेस साइंस में भारत प्रमुख हब बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार भारत को वैश्विक विनिर्माण हब बनाने के लिए मेक इन इंडिया व आत्मनिर्भर भारत की नीतियों को बढ़ावा दे रहे हैं। वैश्विक विनिर्माण व्यापार में चीन की भागीदारी करीब 20

फीसदी है, जो अब घट रही है। भारत में ऑटोमोटिव, फार्मास्यूटिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स असेंबली जैसे विनिर्माण क्षेत्र पहले से ही परिष्कृत हैं, और इसमें विजेता के रूप में उभरने की संभावना है। भारत सेवा क्षेत्र में भी विजेता हो सकती है, जिसमें आईसीटी, बैक-ऑफिस कार्य, वित्तीय और पेशेवर सेवाएं, और परिवहन और लॉजिस्टिक्स शामिल हैं। भारत ने अपने आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क को बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। 2022 के बाद से, केंद्र सरकार की व्यापार नीति ने व्यापारिक भागीदारों के साथ कई द्विपक्षीय सौदों के माध्यम से तरजीही व्यापार पर नए सिरे से जोर दिया है। यूएई-भारत व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता मई 2022 में लागू हुआ है। 2023 के अंत तक पूर्ण ऑस्ट्रेलिया-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) लागू हो जाएंगे। यूके-भारत, ईयू-भारत व आसियान-भारत एफटीए के लिए बातचीत प्रक्रिया में है। सऊदी अरब के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिफेंस, एनर्जी और मैनपावर क्षेत्र में सहयोग बढ़ रहे हैं।

भारत के लिए आगे की राह

आपूर्ति श्रृंखला में अव्वल बनने के लिए निर्यात-उन्मुख प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को बढ़ावा देना चाहिए। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में शामिल होने के लिए स्थानीय कंपनियों के लिए स्मार्ट व्यापार रणनीतियों की आवश्यकता है। समूह व्यावसायिक इकाइयों के बीच निवेश और अन्य लागतों पर क्रॉस-सब्सिडी दे सकते हैं। छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों को बड़े निर्यातकों के लिए औद्योगिक आपूर्तिकर्ताओं और उप-ठेकेदारों के रूप में काम करना चाहिए। बहुराष्ट्रीय कंपनियों और बड़े स्थानीय व्यावसायिक घरानों के साथ विलय, अधिग्रहण और गठबंधन जैसी व्यावसायिक रणनीतियां होनी चाहिए। मूल्य, गुणवत्ता और वितरण के अंतरराष्ट्रीय मानकों को प्राप्त करने के लिए घरेलू तकनीकी क्षमताओं में निवेश करना चाहिए। नई औद्योगिक गतिविधियों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों को बेहतर लक्ष्य बनाना चाहिए। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, डिजिटल तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित में तृतीयक स्तर की शिक्षा में निवेश बढ़ाना चाहिए। सरकार को रेगुलेशन कम करना चाहिए और ट्रेड स्वतंत्रता अधिक देनी चाहिए। भारत सरकार को अपने साथ साथ दूसरे दक्षिण पूर्व एशियाई मुल्कों में क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा देने के लिए भी नवाचार सहित ठोस कदम उठाना चाहिए। मेक इन इंडिया कार्यक्रम को मेक इन साउथ ईस्ट एशिया कार्यक्रम में बदलना चाहिए। क्षेत्रीय नियम-आधारित व्यापार और निवेश का समर्थन करना चाहिए। नेपाल, भूटान, श्रीलंका, म्यांमार, बांग्लादेश, मलयेशिया, इंडोनेशिया, फिलीपींस, कंबोडिया, मंगोलिया, ब्रुनेई, सेशेल्स आदि देशों में इन्फ्रास्ट्रक्चर, विनिर्माण आदि को बढ़ावा देना चाहिए। जब तक भारत दक्षिण पूर्व एशिया के लिए लीडर नहीं बनेगा, तब तक उसके पास वैश्विक दक्षिण के लिए नेतृत्वकारी भूमिका नहीं बढ़ेगी। अमेरिका के साथ खुल रही नई आपूर्ति श्रृंखलाएं भारत के लिए अपनी वैश्विक एकीकरण यात्रा, नेबरहुड फर्स्ट शुरू करने के लिए अच्छी हैं।

राह में चुनौतियां

भारत में उद्यम जटिल कर नीतियों और प्रक्रियाओं से जूझ रहे हैं। बुनियादी ढांचे की घटिया गुणवत्ता महत्वपूर्ण बाधाएँ पैदा करती है। भारतीय कंपनियां अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को पूरा करने के लिए संघर्ष करती हैं। आवश्यक जानकारी तक अपर्याप्त पहुंच वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) में उनके एकीकरण में और बाधा डालती है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला केंद्र के रूप में भारत की क्षमता आशाजनक है। सफल होने के लिए, इसे चुनौतियों का समाधान करना होगा, विदेशी निवेश को अपनाना होगा, बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना होगा और प्रमुख क्षेत्रों में शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। यह मार्ग भारत की आर्थिक वृद्धि और अंतर्राष्ट्रीय प्रासंगिकता को बढ़ावा देगा। भारत को ग्लोबल साउथ के लिए तैयार होना चाहिए।

किसान विकास पत्र पर एफडी के बराबर ब्याज जान लें कुछ नुकसान भी

सुझाव | बिजनेस डेस्क

पोस्ट ऑफिस की किसान विकास पत्र (केविपी) एक ऐसी स्कीम है, जिसमें आपका निवेश डबल होने की गारंटी है। किसानों के नाम से चलाई जा रही पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में मैच्योरिटी पर आपका पैसा डबल हो जाता है। मौजूदा समय में इस स्कीम पर 7.5 फीसदी सालाना ब्याज है, जो पोस्ट ऑफिस की 5 साल की एफडी यानी टाइम डिपॉजिट स्कीम के बराबर ही है, लेकिन इसमें एफडी में निवेश करने की तुलना में नुकसान भी है। आपको भी इस स्कीम में निवेश के पहले इसके फायदे और नुकसान के बारे में जान लेना चाहिए।

टैक्स का लाभ नहीं

किसान विकास पत्र में निवेश करने पर आपको अर्जित इंटरेस्ट इनकम पर टैक्स देना पड़ता है। वहीं इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत आपको इस स्कीम में जमा राशि पर कोई टैक्स बेनेफिट नहीं मिलता यानी आपके द्वारा किया गया निवेश इनकम टैक्स के दायरे में ही रहेगा, जबकि 5 साल की टैक्स सेवर एफडी या नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट और पीपीएफ अकाउंट पर मिलने वाला ब्याज टैक्स फ्री होता है। इन योजनाओं में जमा 1.50 लाख रुपये तक की राशि पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट का लाभ मिलता है। एनआरआई और हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) केवीपी प्रमाण पत्र खरीदने के लिए योग्य नहीं होते हैं.

दो तरह से टैक्स

किसान विकास पत्र में जमा राशि पर मिलने वाला ब्याज टैक्सेबल इनकम के तहत आता है। इसे अदर इनकम मानकर टैक्स लगाया जाता है। इस ब्याज पर 2 तरह से टैक्स लगता है। पहला विकल्प है कैश बेसिस टैक्सेशन और दूसरा सालाना ब्याज पर लगने वाला टैक्स। पहले विकल्प में मैच्योरिटी पर मिलने वाले ब्याज को आपके इनकम में जोड़ दिया जाता है और फिर टैक्स स्लैब के अनुसार टैक्स काट लिया जाता है, जबकि दूसरे विकल्प में हर साल टैक्स कट जाता है।

कितने साल में रकम डबल

किसान विकास पत्र में जमा राशि पर 7.5 फीसदी सालाना की दर से ब्याज मिल रहा है और 115 महीने यानी 9 साल 7 महीने में आपका पैसा डबल हो जाता है। किसान विकास पत्र स्कीम में कोई भी एडल्ट जिसकी उम्र 18 साल से ज्यादा है, अपना खाता खुलवा सकता है। वहीं, माइनर की ओर से उसके माता-पिता या अभिभावक द्वारा खाता खुलवाया जा सकता है। इस स्कीम में सिंगल या फिर ज्वॉइंट अकाउंट खोलने की सुविधा है। ज्वॉइंट अकाउंट में अधिकतम 3 एडल्ट शामिल हो सकते हैं।

निवेश के लिए मिनिमम रकम

इस स्कीम में निवेश की मिनिमम राशि 1000 रुपये है, जबकि इसमें अधिकतम निवेश के बारे में कोई भी लिमिट तय नहीं की गई है। हालांकि 50 हजार रुपये से ज्यादा के निवेश पर पैन कार्ड दिखाना अनिवार्य है। किसान विकास पत्र में निवेश करने वाले लोगों को कुछ शर्तों और परिस्थितियों में अकाउंट ट्रांसफर करने की सुविधा दी जा रही है। किसान विकास पत्र के खाताधारक की मौत के बाद उसके नॉमिनी या कानूनी उत्तराधिकारी को अकाउंट ट्रांसफर किया जाता है। साथ ही ज्वॉइन्ट अकाउंट होल्डर्स में से किसी की डेथ होने और कोर्ट के आदेश से अकाउंट ट्रांसफर किया जाता है।

सेविंग्स अकाउंट की तरह करें इस्तेमाल, रिटर्न भी दमदार, ऐसे निवेश में करीब 91 दिनों में पूरी हो जाती है मैच्योरिटी

कुछ म्यूचुअल फंड स्कीम 3 महीने में होती हैं मैच्योर

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- लिक्विड फंड भी एक डेट फंड, जो जल्द मालामाल कर सकता है
- हाई लेवल की लिक्विडिटी और कैपिटल की सुरक्षा देता है
- लिक्विड फंड में रिस्क भी कम हो जाता है, पैसा डूबने का खतरा नहीं

> अगर आप बाजार में शॉर्ट टर्म निवेश करना चाहते हैं तो आपके कुछ स्कीम बाजार में मौजूद हैं। इनमें रिटर्न भी बढ़िया मिलता हैइसे लिक्विड फंड के नाम से जाना जाता है। ऐसे निवेश में पैसा उन सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जिनकी मैच्योरिटी 91 दिनों से अधिक नहीं होती है। निवेशकों का पैसा इसके जरिए मनी मार्केट, शॉर्ट टर्म कॉरपोरेट डिपॉजिट और ट्रीजरी में लगाया जाता है।

बाजार में शॉर्ट टर्म निवेश के भी अपने फायदे होते हैं। बाजार में निवेश के लिए कई स्कीमें मौजूद हैं, जो काफी कम समय में आपको बेहतर रिटर्न देकर मालामाल कर सकती है। बस आपको कुछ सावधानी के साथ निवेश करना होगा। अगर हम डेट फंड कैटेगरी की बात करें तो इसे अलग-अलग स्कीम की मैच्योरिटी पीरियड या अंडरलाइंग सिक्योरिटी के आधार पर कई सब-कैटेगरीज में बांटा गया है। इनमें एक सब कैटेगरी लिक्विड अपनी हाई लिक्विडिटी प्रदान करने की क्षमता के चलते लंबे समय से कॉरपोरेट्, एचएनआई के साथ ही रिटेल इन्वेस्टर्स के बीच भी पॉपुलर रहे हैं। लिक्विड फंड भी एक डेट फंड हैं, जिनकी मैच्योरिटी सिर्फ 91 दिनों की है। यानी ये उन सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जिनकी मैच्योरिटी 91 दिनों से अधिक नहीं होती है, निवेशकों का ज्यादातर पैसा इसके जरिए मनी मार्केट विकल्पों, शॉर्ट टर्म कॉरपोरेट डिपॉजिट्स और ट्रीजरी में लगाया जाता है। लिक्विड फंड का मुख्य उद्देश्य निवेशकों को हाई लेवल की लिक्विडिटी यानी तरलता और उनके कैपिटल की सुरक्षा प्रदान करना है। इस वजह से फंड मैनेजर हाई रेट वाले डेट विकल्पों में निवेश करता है, जो सिर्फ 91 दिनों में मैच्योर होते हैं। आवंटित अनुपात फंड के निवेश उद्देश्य के अनुसार हैं। फंड मैनेजर यह सुनिश्चित करेगा कि पोर्टफोलियो की एवरेज मैच्योरिटी 3 महीने हो। इससे ब्याज दर में उतार-चढ़ाव के प्रति फंड के रिटर्न की सेंसिटिविटी कम हो जाती है और लिक्विड फंड में रिस्क कम हो जाता है।

फंड वैल्यू में बहुत अधिक उतार-चढ़ाव का अनुभव नहीं होता है। इसके अतिरिक्त, अंडरलाइंग सिक्योरिटीज की मैच्योरिटी पोर्टफोलियो की मैच्योरिटी से मेल खाती है। यह अधिक रिटर्न देने में मदद करता है। लिक्विड फंड आपके पास बचत खाते में या घर में पड़ी रकम को किसी सेफ स्कीम में लगातकर हाई रिटर्न पाने का एक बेहतरीन विकल्प है। यह कम जोखिम वाला विकल्प है, जो नियमित बचत बैंक खाते की तुलना में अधिक रिटर्न देते हैं। वहीं, लिक्विड फंड में बैंकों के बचत खाते की तरह लिक्विडिटी भी मिलती है। इन फंडों में लॉक-इन अवधि नहीं होती है। आप लिक्विड फंड को नियमित बचत खाते के रूप में उपयोग कर सकते हैं और हाई रिटर्न अर्जित कर सकते हैं।

लिक्विड फंड में किसे करना चाहिए निवेश

लिक्विड फंड उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प हैं, जिनके पास पर्याप्त कैश है और वे शॉर्ट टर्म निवेश के साधन तलाश रहे हैं। वे अपनी रकम को बचत खाते में रखने के बजाय, लिक्विड फंड में निवेश कर सकते हैं। यहां बचत खाते की तुलना में डबल रिटर्न मिलने की उम्मीद रहती है। परफॉर्मेंस-बेस्ड इंसेंटिव, बोनस और कैपिटल एसेट बेचकर प्राप्त अन्य रेलिवेंट गेंस से मिली रकम का इस्तेमाल इस फंड में निवेश करने के लिए कर सकते हैं।

लिक्विड फंड को इक्विटी फंड में निवेश के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। आप शुरुआत में पैसे को लिक्विड फंड में निवेश कर सकते हैं और फिर एक तय अवधि में अपनी पसंद के इक्विटी फंड में सिस्टमैटिक ट्रांसफर कर सकते हैं।

क्या हैं टैक्स के नियम

जब आप डेट फंड में निवेश करते हैं, तो आप कैपिटल गेंस कमाते हैं और उन पर टैक्स लगता है। टैक्सेशन की दर इस बात पर निर्भर करती है कि आप डेट फंड में कितने समय तक निवेशित रहते हैं। जिस अवधि तक आप निवेशित रहते हैं उसे होल्डिंग अवधि के रूप में जाना जाता है। लिक्विड फंड डेट फंडों का एक वर्ग है, इसलिए पहले 3 साल में हासिल गेंस को शॉर्ट टर्म कैपिटल गेंस के रूप में जाना जाता है। 3 साल या उससे अधिक के बाद किए गए पूंजीगत लाभ को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस के रूप में जाना जाता है। डेट फंड से प्राप्त एसटीसीजी को आपकी कुल आय में जोड़ा जाता है और उसपर इनकम टैक्स स्लैब के आधार पर टैक्स लगाया जाता है। डेट फंडों से प्राप्त एलटीसीजी पर इंडेक्सेशन के बाद 20 फीसदी की समान दर से टैक्स लगता है। सभी म्यूचुअल फंडों द्वारा दिए गए डिविडेंड को आपकी कुल आय में जोड़ा जाता है और आपके स्लैब के आधार पर टैक्स लगाया जाता है।

एक वर्ष में बेस्ट रिटर्न वाले फंड

- आदित्य बिरला सन लाइफ लिक्विड फंड : 7.49%
- एक्सिस लिक्विड फंड : 7.47%
- यूटीआई लिक्विड फंड– कैश प्लान : 7.47%
- आईसीआईसीआई प्रूडेटल लिक्विड फंड : 7.40%
- एलएंडटी लिक्विड फंड : 7.37%

निफ्टी मिडकैप 150 में 101 से लेकर 250 रैंक वाली कंपनियां शामिल

निफ्टी नेक्स्ट 50 या निफ्टी मिडकैप 150 किसमें मिलेगा कम रिस्क में बेहतर रिटर्न

> *अगर आपको पूरी तरह से लार्ज-कैप इंडेक्स में ही निवेश करना है, तब तो आपके लिए सिर्फ निफ्टी 50 इंडेक्स फंड ही काफी है। या फिर आप निफ्टी 100 इंडेक्स फंड को भी देख सकते हैं, जिसका 85 फीसदी एलोकेशन निफ्टी 50 में और बाकी 15 फीसदी निफ्टी नेक्स्ट 50 में होता है, लेकिन अगर आप पैसिव फंड्स के जरिए मिड-कैप में निवेश करना चाहते और बेहतर रिटर्न की उम्मीद में ज्यादा रिस्क लेने को तैयार हैं, तो नेक्स्ट 50 और मिडकैप 150 इंडेक्स फंड के बीच किसी एक का चुनाव कर सकते हैं।*

जानकारी | बिजनेस डेस्क

निफ्टी नेक्स्ट 50 या निफ्टी मिडकैप 150, आपको किसमें करना चाहिए निवेश? इनमें से कहां मिलेगा बेहतर रिटर्न और किसमें ज्यादा है रिस्क? इन तमाम सवालों के जवाब जानने के लिए सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि निफ्टी नेक्स्ट 50 और निफ्टी मिडकैप 150 का पूरा मतलब क्या है? इनमें किन कंपनियों के शेयर शामिल होते हैं और उनमें फर्क क्या है? यह भी समझना होगा कि अगर इन दोनों सूचकांकों पर आधारित इंडेक्स फंड में निवेश करने का नफा-नुकसान क्या है? अगर पैसिव यानी इंडेक्स आधारित फंड्स में निवेश की बात करें तो निफ्टी 50 इंडेक्स फंड ज्यादातर निवेशकों की पहली पसंद होता है। जैसा कि नाम से जाहिर है ये फंड निफ्टी 50 में शामिल कंपनियां यानी देश की टॉप 50 लार्ज कैप कंपनियों के शेयरों में निवेश करता है। जाहिर है इनमें पैसे लगाना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है, लेकिन जो लोग बेहतर रिटर्न के लिए ज्यादा जोखिम लेना चाहते हैं, वे निफ्टी नेक्स्ट 50 पर आधारित फंड्स में भी निवेश करते रहे हैं, लेकिन ऐसे कई निवेशक अब निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स में भी दिलचस्पी लेने लगे हैं।

दोनों में क्या है अंतर

निफ्टी निफ्टी नेक्स्ट 50 में उन कंपनियों को जगह दी जाती है, जो मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से बाजार में 51 से 100वें रैंक पर हैं। वहीं निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स में उन कंपनियों को जगह दी जाती है, जो मार्केट कैप के हिसाब से 101 से 250वें नंबर पर होती हैं। अगर हम सेबी की परिभाषा के हिसाब से देखें तो निफ्टी नेक्स्ट 50 में शामिल कंपनियां तकनीकी रूप से लार्ज-कैप स्टॉक हैं, क्योंकि वे मार्केट कैप के लिहाज से पहली सौ कंपनियों (51 से 100 रैंकिंग) में शामिल होती हैं। दूसरी तरफ, निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स सेबी की परिभाषा के अनुसार टॉप-150 मिड-कैप शेयरों से मिलकर बना है। फिर भी इन दोनों इंडेक्स की आपस में तुलना इसलिए की जा सकती है, क्योंकि शेयरों के रिटर्न, कीमतों में उतार-चढ़ाव और बाजार की चाल से प्रभावित होने जैसे पहलुओं पर गौर करें तो निफ्टी नेक्स्ट 50 का बर्ताव निफ्टी 50 या सेंसेक्स जैसे लार्ज कैप इंडेक्स के मुकाबले मिडकैप 150 जैसे मिडकैप इंडेक्स से ज्यादा करीब नजर आता है।

दोधारी तलवार निफ्टी नेक्स्ट 50

हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि निफ्टी नेक्स्ट 50 एक दोधारी तलवार है। यानी इस इंडेक्स के शेयर लार्ज कैप इंडेक्स के मुकाबले बेहतर रिटर्न देने की क्षमता तो रखते हैं, लेकिन साथ ही उनमें निवेश करने में रिस्क भी अधिक होता है। ब्रॉड मार्केट के एतिहासिक आंकड़ों को देखने से साफ होगा कि बाजार में तेजी के दौरान नेक्स्ट 50 आम तौर पर निफ्टी 50 से बेहतर प्रदर्शन करता है, लेकिन मार्केट में गिरावट या करेक्शन आने पर यह अधिक तेजी से गिरता भी है।

निफ्टी नेक्स्ट 50 बनाम मिडकैप 150

पिछले कुछ वर्षों के दौरान निफ्टी मिडकैप 150 का रिटर्न निफ्टी नेक्स्ट 50 के रिटर्न प्रोफाइल को अच्छी टक्कर दे रहा है। अगर बाजार की किसी रैली में मिडकैप का ज्यादा योगदान है, तो मिडकैप 150 के बेहतर प्रदर्शन की संभावना अधिक होती है, लेकिन अगर मार्केट में तेजी लार्ज-कैप शेयरों की वजह से आती है, तो नेक्स्ट 50 के कुछ बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद रहती है, लेकिन दोनों ही फंड्स में निवेश तभी फायदेमंद हो सकता है, जब उनमें लंबी अवधि के लिए निवेश किया जाए और गिरावट के वक्त धैर्य बनाए रखें। यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि ज्यादातर निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो में निफ्टी नेक्स्ट 50 और मिडकैप 150 में से किसी एक को रखना काफी है। एक साथ दोनों में निवेश करना जरूरी नहीं है। हाल के रिटर्न को देखें, तो निफ्टी मिडकैप 150 का पलड़ा भारी है और अगर इसके साथ ही किसी लार्ज-कैप इंडेक्स फंड जैसे निफ्टी 50 फंड में भी निवेश कर दिया जाए, तो पोर्टफोलियो में किसी और मिड कैप एक्सपोजर की जरूरत नहीं रहनी चाहिए। यह बात हमेशा याद रखें कि किसी भी इक्विटी फंड में मार्केट से जुड़ा रिस्क हमेशा मौजूद रहता है। इसलिए इन्वेस्टमेंट के बारे में कोई भी फैसला करने से पहले अपनी रिस्क उठाने की क्षमता और निवेश लक्ष्य को जरूर ध्यान में रखें और कोई भी कन्फ्यूजन हो तो किसी भरोसेमंद निवेश सलाहकार की राय लेना न भूलें।

शेयर बाजार उफान पर क्या यही है लार्ज कैप में निवेश का सही समय

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में लगातार तेजी बनी हुई है। सभी फंड दमदार प्रदर्शन कर रहे हैं। इन दिनों शेयर बाजार में स्मॉल और मिड कैप म्यूचुअल फंड में प्रदर्शन को लेकर घमासान चल रहा है। कभी किनारे बैठकर मजा ले रहे लार्ज कैप फंड्स भी अब प्रदर्शन की लड़ाई में उतर गए हैं। तभी तो लगभग एक साल से लार्ज कैप फंड दोहरे अंकों में रिटर्न देकर बेंचमार्क को पीछे छोड़ रहे हैं।

क्या होता है लार्ज कैप

लार्ज कैप म्यूचुअल फंड मुख्य रूप से ब्लू चिप कंपनियों में निवेश करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में उनका प्रदर्शन सुस्त रहा है, लेकिन बीते एक साल में एक तिहाई से अधिक लार्ज कैप फंडों ने रिटर्न देने में संबंधित बेंचमार्क को पीछे छोड़ दिया है। इस दौरान जिन फंडों ने बेहतर प्रदर्शन किया है, उसमें निप्पॉन लार्ज कैप फंड ने एक साल में 20.07% का रिटर्न दिया था। इसी अवधि में एचडीएफसी टॉप 100 स्कीम ने 16.60% और एडलवाइस लार्ज कैप 14.90% का रिटर्न देकर लार्ज कैप में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में बना हुआ है।

लार्ज कैप कंपनियां बाजार की लीडर

बाजार के जानकारों का कहना है कि लार्ज कैप फंडों में निवेश एक अच्छा आइडिया है, क्योंकि ये फंड ट्रैक रिकॉर्ड, मजबूत बिजनेस मॉडल और अच्छी विकास योजना वाली बड़ी कंपनियों में निवेश करते हैं। इसके अलावा, लार्ज कैप कंपनियां अपने क्षेत्र में बाजार की लीडर होती हैं। हालांकि, इसके बावजूद निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड ने 3 साल में अपने बेंचमार्क से 6% ज्यादा यानी 27.08% का रिटर्न दिया है। इसी अवधि में इसकी तुलना में एचडीएफसी टॉप 100 और एडलवाइस लार्ज कैप ने क्रमशः 24.74% और 22.07% का रिटर्न दिया है।

इस फंड का मजबूत प्रदर्शन क्यों

मन में सवाल उठ सकता है कि लार्ज कैप म्यूचुअल फंडों ने मजबूत प्रदर्शन क्यों किया है? इसके तीन बुनियादी कारण हैं। फंड प्रबंधक लार्ज कैप क्षेत्र में सुधार से ज्यादा वृद्धि वाले फार्मा शेयरों पर मजबूत फोकस कर रहे हैं। टेक्नोलॉजी सेक्टर पर ये अंडरवेट रहते हैं। महामारी के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार और खपत में तेज बढ़ोतरी ने भी लार्ज कैप शेयरों को बढ़ावा दिया है। तीसरा कारण मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश है जिन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

शीर्ष 100 कंपनियों में निवेश

लार्ज कैप म्यूचुअल फंड को अपने फंड का 80% हिस्सा बाजार पूंजीकरण के लिहाज से शीर्ष 100 कंपनियों में निवेश करना होता है। बाकी 20% फंड निवेश फंड मैनेजर अपने हिसाब से कर सकते हैं। इस हिस्से को स्मॉल और मिड-कैप कंपनियों में निवेश किया जा सकता है। फंड प्रबंधकों की सलाह है कि इस समय लार्ज कैप म्यूचुअल फंड में निवेश करने का बेहतरीन समय है, क्योंकि यह कैटेगरी वापस अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

वित्तीय साक्षरता नियमित आय, बजट निर्माण, कम खर्च की रणनीतियों के द्वार खोलती है

बच्चों में करें वित्तीय साक्षरता का विकास

बच्चे निवेश, वित्तीय प्रबंधन और बजट पर पाठ्यक्रमों से वित्तीय ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं

दीपशा तनेजा | फाइनेंशियल एडवाइजर

वित्तीय साक्षरता का तात्पर्य बुनियादी व्यक्तिगत वित्त कौशल से है-सक्षमता से पैसा कमाना, खर्च करना, निवेश करना, बचत करना, बजट बनाना और पैसा उधार लेना। इसमें व्यक्तिगत वित्तीय प्रबंधन, उत्तराधिकार योजना, निवेश निर्णय लेना और कर योजना शामिल है। वित्तीय साक्षरता निष्क्रिय आय, बजट निर्माण, कम खर्च की रणनीतियों, मेहनती निवेश आदि के द्वार खोलती है। व्यक्ति निवेश, वित्तीय प्रबंधन और बजट पर अल्पकालिक पाठ्यक्रमों से वित्तीय ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। वित्तीय साक्षरता एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है और बच्चों को पैसे के बारे में पढ़ाना शुरू करना कभी भी जल्दी नहीं होता है। 10 से 18 वर्ष की आयु के बीच, बच्चे वित्तीय समझ के लिए एक ठोस आधार विकसित कर सकते हैं, जो जीवन भर उनके काम आएगा। इस प्रयास में सहायता के लिए, उनकी शिक्षा में पुस्तकों के सुव्यवस्थित चयन को शामिल करना बेहद फायदेमंद हो सकता है। कई किताबें हैं जो वित्तीय साक्षरता सिखाती हैं। इनमें कुछेक पुस्तकों को पढ़कर हम बचत, निवेश, चक्रवृद्धि और जोखिम प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण वित्तीय कौशल विकसित कर सकते हैं। ये पुस्तकें वित्तीय साक्षरता के लिए एक सर्वांगीण दृष्टिकोण प्रदान करती हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारे बच्चे वयस्कता में धन प्रबंधन की जटिलताओं से निपटने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

आइए जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण पुतकों के बारे में

- जॉर्ज एस. क्लैसन द्वारा लिखित 'द रिचेस्ट मैन इन बेबीलोन': यह क्लासिक प्राचीन बेबीलोन में स्थापित आकर्षक दृष्टांतों में लिपटे हुए, बचत और निवेश पर कालातीत ज्ञान प्रदान करता है।
- लॉरा व्हाटली द्वारा 'मनीः ए यूजर गाइड': एक आधुनिक, सुलभ मार्गदर्शिका जो युवा पाठकों के अनुरूप बजट, बैंकिंग और निवेश सहित आवश्यक वित्तीय विषयों को कवर करती है।
- कारा मैकगायर द्वारा 'द टीन मनी मैनुअलः ए गाइड टू कैश, क्रेडिट, स्पेंडिंग, सेविंग, वर्क, वेल्थ एंड मोर': किशोरों के लिए तैयार, यह पुस्तक पैसे के प्रबंधन, क्रेडिट को समझने और वित्तीय स्वतंत्रता के निर्माण पर व्यावहारिक सलाह प्रदान करती है।
- डेविड बोरमैन द्वारा 'इन्वेस्टोपेडिया गाइड टू वॉल स्ट्रीट': निवेश, शेयर बाजारों और वित्तीय उपकरणों का एक व्यावहारिक परिचय जो युवा पाठकों के लिए जटिल अवधारणाओं को उजागर करता है।
- डैरेन हार्डी द्वारा 'द कंपाउंड इफेक्ट': यह पुस्तक समय के साथ छोटे कार्यों की शक्ति पर जोर देती है और कंपाउंडिंग की अवधारणा का परिचय देती है, जिससे बच्चों को यह समझने में मदद मिलती है कि नियमित बचत से महत्वपूर्ण धन कैसे प्राप्त किया जा सकता है।
- डेविड गार्डनर और टॉम गार्डनर द्वारा लिखित 'द मोटली इन्वेस्टमेंट गाइड फॉर टीन्स': विशेषज्ञों द्वारा लिखित, यह पुस्तक शेयर बाजार में निवेश का एक ठोस परिचय प्रदान करती है।
- जैकलिन डेविस द्वारा लिखित 'द लेमोनेड वॉर' भाई-बहनों द्वारा नींबू पानी की दुकान शुरू करने की एक काल्पनिक कहानी, यह पुस्तक उद्यमशीलता और बुनियादी वित्तीय अवधारणाओं को एक मजेदार, प्रासंगिक तरीके से पेश करती है।
- रॉबर्ट कियोसाकी की 'रिच डैड पुअर डैड' : यह किताब आपको एक ऐसे लड़के की कहानी बताएगी, जिसके दो पिता थे। एक पिता गरीब थे, और दूसरे अमीर। उनके बीच केवल सोच और वित्त के बारे में ज्ञान के लेवल में अंतर था। किताब आपको सीधे तौर पर शिक्षित नहीं करती है, पर आपके दृष्टिकोण और स्थिति की जांच करने के क्षितिज का काफी विस्तार करती है।
- टोनी रॉबिंस की 'मनीः मास्टर द गेम' : इसके अंदर आपको वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करने के सात चरण मिलेंगे। इसमें बहुत सारी सलाह, उदाहरण, सिफारिशें, अनुसंधान और साहित्य विश्लेषण के संदर्भ दिए गए हैं। कई शक्तिशाली लोगों के साथ लेखक के इंटरव्यू के अंश भी हैं।
- स्कॉट पपे की 'द बेयरफुट इन्वेस्टर' : यह उद्धरणों की एक ऐसी किताब है, जिसे नए निवेशक बहुत पसंद करते हैं। लेखक एक सरल वित्तीय प्रबंधन प्रणाली देता है और बताता है कि कैसे कर्ज से छुटकारा पाएं और अपने जीवन स्तर को कम किए बिना पेंशन पर जाए। स्कॉट पपे को ऑस्ट्रेलिया के सबसे भरोसेमंद वित्तीय विशेषज्ञों में से एक माना जाता है, उनकी किताबों की लाखों प्रतियां बिक चुकी हैं।
- कार्ल रिचड्‌र्स की 'द वन-पेज फाइनेंशियल प्लान' : जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, यह किताब एक पेज की वित्तीय योजना प्रदान करती है। यह आसान है, लेकिन ज्यादातर मामलों में काम करती है। यह उन लोगों की मदद करेगी, जो वित्तीय नियोजन में उतरने से डरते हैं, और इसलिए उन्हें कुछ हल्का और संक्षिप्त चाहिए।

वित्तीय साक्षरता के स्किल

- व्यक्तिगत बजट बनाना सीखें।
- अपने बजट का प्रबंधन करना सीखें।
- बचत खाता खोलें। यह पहला कदम है।
- कमाई की फर्जी योजना से रहे दूर।
- नियमित निवेश को आदत बनाएं।

पैसा और लेनदेन

- बैंक नोटों और सिक्कों को पहचानने की क्षमता, पेमेंट और बैंक स्टेटमेंट की जांच करना, साथ ही सामान के भुगतान के तरीकों का ज्ञान।

फाइनेंशियल प्लानिंग

- इसमें बजट प्लानिंग, अपनी इनकम का प्रबंधन, विभिन्न वित्तीय लक्ष्यों को निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने की क्षमता, टैक्स के बारे में ज्ञान, पैसे बचाने और कम खर्च के तरीके, पैसे डिपाजिट करना आदि सीखें।

जोखिम प्रबंधन

- वित्तीय जोखिमों को खोजने और उनका वर्णन करने की क्षमता, उन्हें समतल करने के तरीके सोचना और जोखिम की घटना की स्थिति में उन्हें बायपास करने की क्षमता, बीमा उत्पादों और बचत निवेश, लाभ और हानि, ऋण और ब्याज दरों का ज्ञान। इसमें यह समझना भी शामिल है, कि बाजार कैसे काम करता है और आपके निवेश में विविधता लाता है।

मृतक झम्मन गुर्जर की पत्नी को प्रदान किया चैक

चमकता राजस्थान

वैर (राजवीर सिंह) सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री भजनलाल जाटव ने विधानसभा वैर के गांव सुहारी निवासी मृतक झम्मन गुर्जर की पत्नी को पांच लाख रु. का चैक सौंपा और परिवारीजनों को ढांढस बंधाया।

सुहारी निवासी झम्मन गुर्जर की गत दिनों कृषि कार्य करते समय करंट लगने से मृत्यु हो गई थी। सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री श्री जाटव ने झम्मन सिंह गुर्जर को श्रद्धांजलि अर्पित की ,वहीं स्व झम्मन सिंह गुर्जर के परिजन और रिश्तेदारों को ढाढस बंधाया तथा उन्होंने मृतक की पत्नी को आर्थिक सहायता स्वरूप पांच लाख रुपए का चेक प्रदान किया। उन्होंने परिवारीजनों से कहा कि राज्य सरकार द्वारा उनकी सहायता के हर सम्भव प्रयास किये जायेंगे। इस मौके पर तोताराम प्रधान, पूर्व उप प्रधान महेश मीणा, कमल कोटकी प्रधान, कैबिनेट मंत्री जाटव के मीडिया प्रभारी ऋषि बदनपुरा, नगर पालिका के पूर्व चेयरमेन चंद्रप्रकाश अवस्थी, प्रताप सिंह गुर्जर इटामडा, जिला परिषद सदस्य किशन सिंह पप्पू, निठार के टमटम मीणा, विनोद कुमार शर्मा सहित और प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

झारौटी पूर्व सरपंच हुकम सिंह ने सैकड़ों समर्थकों के सीथ बीजेपी की सदस्यता की ग्रहण

चमकता राजस्थान

भुसावर (राजवीर सिंह) वैर विधानसभा की ग्राम पंचायत झारौटी के पूर्व सरपंच हुकम सिंह ने सैकड़ों समर्थकों के साथ पूर्व जिला अध्यक्ष डा शैलेश सिंह के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।आगामी विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों में बीजेपी का साथ देने की बात कही। ग्राम पंचायत झारौटी में बीजेपी की सदस्यता ग्रहण करने को लेकर कार्यक्रम का आयोजन पूर्व जिला अध्यक्ष शैलेष सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद रामस्वरूप कोली, भाजपा के युवा व ऊर्जावान नेता समयसिह जाटव आमोली, द्वारका प्रसाद गोयल, पूर्व जिला कलक्टर नन्नूमल पहाडिया, सुमन कोली एवं विधानसभा प्रभारी महेन्द्र खेडला रहे। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सरपंच हुकमसिंह द्वारा अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ली। जिन्हें भाजपा का दुपट्टा पहनाकर पार्टी में पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया और राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा गया। सदस्यता ग्रहण करने वालों ने कहा कि कांग्रेस सरकार के साथ साथ स्थानीय विधायक भजनलाल जाटव की कार्यशैली से नाराज होकर भाजपा का दामन थामा है इस अवसर पर बहादुर सिंह कोली, अतर सिंह पगारिया, रामस्वरूप कोली,महाराज सिंह, बृजेश मीणा, सत्येंद्र छौकरवाडा, विजेंद्र नाथू का नगला, गजेंद्र चौधरी, जमुनालाल मीणा,बाबूलाल ठेकेदार माईदपुर, रवि मीणा निठार, खेमराज मीणा निठार, राजू पथैना, सहित अनेक भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विकास को निरंतर जारी रखने के लिए कांग्रेस सरकार को चुने:भजनलाल जाटव

चमकता राजस्थान

वैर (राजवीर सिंह) विधानसभा वैर की ग्राम पंचायत निठार में सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री भजनलाल जाटव ने शनिवार को लगभग 23 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। गांव मैनापुरा में भी अनेकों विकास कार्यों का उद्घाटन किया तथा विधायक कोटे से 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। भजनलाल जाटव ने कहा की वैर विधानसभा वासियों के मान-सम्मान में कभी कोई कमी नहीं आने दूंगा, क्षेत्र का विकास और जनसेवा ही मेरी पहली प्राथमिकता है।राज्यो को निरंतर आगे बढ़ने के लिए कांग्रेस पार्टी को वोट करे क्योंकि बीजेपी पार्टी कभी भी विकास नहीं करती वो तो सिर्फ जाति धर्म के नाम पर वोट मांगने का कार्य करती है इस मौके पर भुसावर प्रधान प्रतिनिधी रामखिलाडी जाटव,चेयरमैन प्रतिनिधि भुसावर प्रकाश जाटव, उप प्रधान वैर ओमप्रकाश मीना, सतीश पांडे, कैलाश मीना, आशीष मलाहेडा, विनोद शर्मा प्रदेश प्रवक्ता, ऋषी बदनपुरा विधानसभा अध्यक्ष युवा कांग्रेस वैर मौजूद रहे।

बिलवा में जगदीश महाराज की पैदल यात्रा का स्वागत सत्कार किया

चमकता राजस्थान

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा जयपुर, हरियाणा गोड ब्रह्मण समाज के प्रदेश अध्यक्ष व जयपुर सरस डेरी के डायरेक्टर रामनारायण कांजला ने बताया कि बीलवा में बद्री नारायण कुलचानिया के निवास पर जगदीश महराज की पैदल यात्रा का स्वागत सत्कार किया गया जिसमें भारी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और प्रसादी का भी वितरण किया गया ।

बृज क्षेत्र के मुर्धन्य साहित्यकार रामबाबू शुक्ल का निधन हुआ

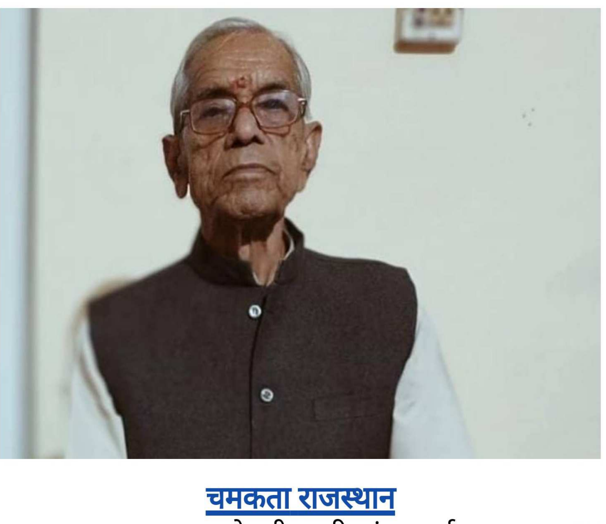

चमकता राजस्थान

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा भरतपुर, 15 सितम्बर को शाम 6.30 पर ह्रदय गति रुकने से रामबाबू शुक्ल का निधन हो गया । सर्व विदित है कि रामबाबू शुक्ल हिंदी साहित्य के कवि और हिंदी साहित्य समिति के उपाध्यक्ष थे । इसके अलावा जनवादी लेखक संघ के राज्य पदाधिकारी थे ।

इन्होंने बृज भाषा हिंदी साहित्य के क्षेत्र में अनेक रचनाएँ लिखी । जिनमें' गरमाए फूटपाथो पर सुविख्यात रचना थी । इन्हें बृज भाषा अकादमी के द्वारा साहित्यकार सम्मान से पुरुस्कृत किया गया । इनका निधन बृज साहित्य के लिए एक अपूरणीय क्षति है । शुक्ल पारिवारिक पृष्ठभूमि से स्वयं एक शिक्षक थे । बृज क्षेत्र के मुर्धन्य साहित्यकार सर्व विदित है कि रामबाबू शुक्ल हिंदी साहित्य के कवि और हिंदी साहित्य समिति के उपाध्यक्ष थे । इसके अलावा जनवादी लेखक संघ के राज्य पदाधिकारी थे!
इन्होंने बृज भाषा हिंदी साहित्य के क्षेत्र में अनेक रचनाएँ लिखी । जिनमें'गरमाए फूटपाथो पर सुविख्यात रचना थी ।इन्हें बृज भाषा अकादमी के द्वारा साहित्यकार सम्मान से पुरुस्कृत किया गया । इनका निधन बृज साहित्य के लिए एक अपूरणीय क्षति है । शुक्ल पारिवारिक पृष्ठभूमि से स्वयं एक शिक्षक थे । इनके भाई जिला न्यायधीश रहे पुत्र विधि क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहें हैं । अंतयेष्टि के अवसर पर न्यायधीपति राजस्थान उच्च न्यायलय अनिल उपमन पुत्री दामाद सहित सैंकडों की संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे!

*जनवादी लेखक संघ भरतपुर*इनके भाई जिला न्यायधीश रहे पुत्र विधि क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहें हैं । अंतयेष्टि के अवसर पर न्यायधीपति राजस्थान उच्च न्यायलय अनिल उपमन पुत्री दामाद सहित सैंकडों की संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे ।

नवल किशोर मीना (मोहनपुरा- सपोटरा) एवं सपोटरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के माली समाज के श्रद्धालुओं ने लगाए डिग्गी कल्याण पैदल यात्रा में कल्याण धणी के जयकारे

चमकता राजस्थान

सपोटरा, 16 सितम्बर। डिग्गी कल्याण पैदल यात्रा में नवल किशोर मीना (मोहनपुरा-सपोटरा) एवं सपोटरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों से माली समाज के हजारों श्रद्धालु मन में आस्था और आंखों में विश्वास तो जुबान पर कल्याण धणी के जयकारे लगाते नजर आए।

सपोटरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कड़साई, काछीपुरा, महोली, कोटे, कमरपुर, बसई दलापुरा, छीवघटा, चरि का हार एवं आसपास के अन्य दर्जनों गांवों के हजारों की तादाद में श्रद्धालु मन में डिग्गी कल्याणजी के दर्शनों की ललक लिए पैदल यात्रा डिग्गी पौंचे।

रंग-बिरंगी पोशाक में आए ग्रामीणों ने क्षेत्र की फिजां को ही बदल दिया। कुछ पदयात्री कनक दंडवत करते हुए भी आगे बढ़ रहे थे तो कुछ डीजे पर बज रहे भजनों की धुन पर थिरकते हुए चल रहे थे।

डिग्गी कल्याण पहुंचने पर नवल किशोर मीना (मोहनपुरा-सपोटरा) का श्रद्धालुओं ने साफा एवं माला पहनाकर भव्य स्वागत एवं सत्कार किया। नवल किशोर मीना (मोहनपुरा-सपोटरा) ने अपने उद्बोधन में सभी श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए भगवान श्रीजी कल्याण जी से क्षेत्र वासियों के उज्जवल भविष्य, प्रगति एवं विकास की कामना की। नवल किशोर मीना (मोहनपुरा- सपोटरा) ने श्रद्धालुओं के साथ डिग्गी कल्याणजी के दर्शन किए।

नवल किशोर मीना (मोहनपुरा- सपोटरा) ने सपोटरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह की धार्मिक यात्राओं का निरंतर आयोजन किया जाना चाहिए, जिससे सभी में आपसी सद्भाव, भाईचारा और भक्ति का भाव बना रहे। उन्होंने कहा कि मेरी डिग्गी कल्याण जी भगवान से यही मनोकामना है कि सपोटरा क्षेत्र और राजस्थान राज्य का निरंतर विकास और ख्याति दिनों-दिन बढ़ती रहे।

भाजपा परिवार में जो मान-सम्मान मिला वह अभूतपूर्व, हम सभी मिलकर पीएम मोदी के हाथ मजबूत करेंगे:- ज्योति मिर्धा

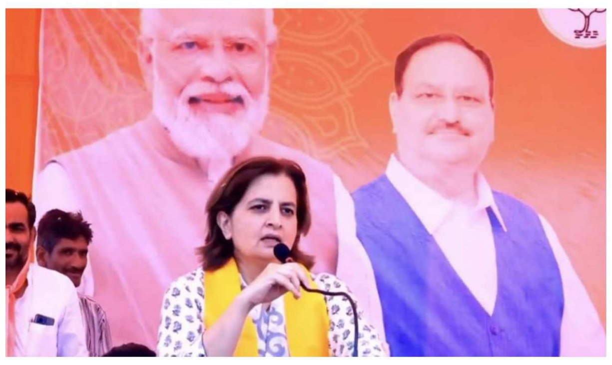

चमकता राजस्थान

जयपुर,16 सितंबर 2023। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा के दौरान नागौर की पूर्व सासंद ज्योति मिर्धा ने आज नागौर के मकराना, कुचामन और डीडवाना में सभाओं को संबोधित किया। मकराना में एक आमसभा को संबोधित करते हुए ज्योति मिर्धा ने कहा कि जनता का मन अब भाजपा के साथ है। जहां जनता का मन वहां मेरा मन। मुझे मालूम हो गया कि जब सारी जनता ही भाजपा के साथ है तो मैं भी आपसे दूर नहीं हूं। मैं उन सभी लोगों से कहना चाहती हूं जो इस बात को लेकर चितिंत हैं कि ज्योति मिर्धा के आने से मूल भाजपाई लोगों का क्या होगा या अन्य लोगों की चिंताए होंगी। तो उनको एक किस्सा कहना चाहती हूं कि एक बार ईराक-ईरान से जब पारसी लोग विस्थापित हुए तो उन्हे लगा कि अपना धर्म बचाने खुद को जिंदा रखने के लिए कहां जाएं तब उन्हे लगा कि भारत ही ऐसी जगह है जहां वे खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। तब वे दीव नदी के तट पर आए थे। उस समय भारत में जाधी राणा लोगों ने पारसियों का जहाज देखा तो उन्होने सोचा कि ये इतने लोग हमारे देश में आएंगे तो यहां तो पहले से ही सीमित साधन, सीमित खेती बाड़ी है इनको देने से हमारे पास क्या रहेगा। तब जाधी राणाओं ने संदेश के तौर पर एक लौटा दूध भिजवाया था। पारसी लोगों ने उस दूध में चार चम्मच शक्कर घोलकर दूध का लौटा वापिस भेज दिया। तब जाधी राणाओं को लगा कि ये लोग तो मिठास घोलने का काम करते हैं। तो उसी तरह मैं भी भाजपा परिवार में आई मुझे बहुत मान-सम्मान मिला। हम सभी घुल मिलकर साथ काम करेंगे। 2023-2024 के चुनावों में भाजपा को प्रचंड जीत दिलाकर प्रधानमंत्री मोदी के हाथ मजबूत करेंगे। आप सभी लोगों को संकल्प लेकर भाजपा के साथ लगना है।

नेट थियेट पर महफिल ए सुकून

तेरह नन्हें कलाकारों के सात पक्के स्वरों से सजी सांझ

चमकता राजस्थान

जयपुर। नेट थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज दस से बारह वर्ष के नन्हें कलाकारों ने अपने स्वर और ताल से महफिल ए सुकून को परवान चढाया।

नेट थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि जयपुर के संगीत घराने से ताल्लुक रखने वाले 13 नन्हे कलाकारों ने जब स्वर और ताल के साथ एक स्वर में *अलबेला सजन आयो री, मोरा अति मन सुख पायो री* सुनाया तो दर्शक वाह वाह कर उठे।

उसके बाद इन कलाकारों ने सुप्रसिद्ध सूफी कलाम *दमा दम मस्त कलंदर अलीशा पहला नंबर* और अंत में *छाप तिलक सब छीनी रे, मोसे नैना मिला के* बड़े ही मनोयोग के साथ सुनाकर अपने कलाकार होने का परिचय दिया । इस कार्यक्रम में गायन पर कलाकार मिजान हुसैन, अरमान, जीशान, एजान, ईलेश ने जब अपने सुरों को छेड़ा तो लगा कि यह संगीत का हमारा भविष्य है ।

इनके साथ तबले पर मोहसिन खान, ढोलक पर फैजल, गिटार पर जीशान, खड़ताल पर अयास खान, और कीबोर्ड पर लकी और रियान खान ने असरदार संगत कर कार्यक्रम को परवान चढ़ाया ।

कार्यक्रम संयोजक नवल डागी और इमरान खान, कैमरा और लाइट्स मनोज स्वामी, संगीत सागर गढ़वाल, मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू और जीवितेश शर्मा की रही ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर कुम्हेर में लगाया जायेगा रक्तदान शिविर : प्रताप सिंह महरावर

चमकता राजस्थान

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा कुम्हेर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर कुम्हेर में पंचायती धर्मशाला में 18 सितंबर को रक्तदान शिविर भाजपा कार्यकर्त्ताओं द्वारा लगाया जा रहा है बीमारियों और एक्सीडेंट के कारण कभी-कभी लोगों की जान पर बन आती है और ऐसे में उनकी जिंदगी बचाने के लिए ब्लड की जरूरत होती है. समय पर ब्लड की जरूरत पूरी करने के लिए लोगों को ब्लड डोनेट करने के लिए प्रेरित किया जाता है लेकिन ब्लड डोनेशन के प्रति समाज में कई तरह की धारणाएं हैं. लोगों को लगता है कि इससे उनकी सेहत पर असर पड़ सकता है या बीमारियां हो सकती हैं. लोगों के मन से इस प्रकार की धारणाएं निकालने और रक्तदान के लिए प्रेरित करने के लिए हर वर्ष 14 जून को वर्ल्ड ब्लड डोनर डे मनाया जाता है. इस दिन दुनिया भर में कई कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को ब्लड डोनेट करने के लिए प्रेरित किया जाता है. रक्तदान से जरूरतमंद व्यक्ति जिसे रक्त दिया जाता है उसकी जान तो बचती ही है, साथ ही रक्तदान करने वाले व्यक्ति को भी कई फायदे होते हैं.कभी कभी बॉडी बहुत अधिक आयरन अवशोषित कर लेता है. इस स्थिति को हेमोक्रोमैटोसिस कहते हैं. आयरन हार्ट और लिवर जैसे अंगों के अंदर जमा होने लगता है, जिससे मधुमेह और दिल की बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है. नियमित रक्तदान से हेमोक्रोमैटोसिस से बचाव संभव है ।

सार समाचार

पानी निकासी का रास्ता किया अवरुद्ध

बाप से जेतड़ासर जाने वाली डामर सड़क हुई ब्लॉक, आवागमन बंद, मोहल्लेवासी परेशान, घरों से बाहर निकलना हुआ दूभर

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

उपखंड मुख्यालय बाप से ग्राम पंचायत जेतड़ासर मुख्यालय जाने वाली डामर सड़क पर बारिश के पानी का जमाव हो गया है। इस वजह से सड़क ब्लॉक हो गई है तथा आवागमन बंद हो गया है। मंडोर चौराहे के पास प्रथम रपट पर ही बारिश का पानी सड़क पर एकत्र हो गया है। मोहल्लेवासियों ने बताया की पानी निकासी का रास्ता आगे अवरुद्ध कर दिया गया है। इस वजह से बारिश के पानी की निकासी नहीं हुई। शुक्रवार रात्रि को बाप कस्बे में हुई मूसलाधार बारिश के बाद सड़क पर पानी ही पानी हो गया। सड़क के आसपास निवास करने वाले लोगों का घरों से बाहर निकलना भी दुभर हो गया है। वहीं बाप से जेतड़ासर होते हुए जोगीपुरा, हाफज नगर आदि गांव में जाने वाले लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह सड़क पूरी तरह से ब्लॉक हो गई है तथा आवागमन बंद है। मोहल्ले वासियों ने उपखंड अधिकारी व नगर पालिका प्रशासन को पत्र भेजकर पानी निकासी की समस्या का स्थाई समाधान करवाने की मांग की है।

इनका कहना है

रविवार को मौका निरीक्षण कर पानी निकासी हेतु उचित कार्रवाई की जाएगी। लीलादेवी जगदीश पालीवाल, चेयरमैन नगर पालिका बाप।

विश्व ओजोन दिवस पर हुई लिखित प्रतियोगिता

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

विश्व ओजोन दिवस पर शनिवार को बालिका सीनियर विद्यालय बाप में ओजोन परत को बचाना विषय की लिखित परीक्षा का आयोजन हुआ।प्रिंसिपल पपुराम गोदारा ने बताया की कक्षा 9 से 12 तक की बालिकाओ ने प्रतियोगिता मेंउत्साह से भाग लिया। वन विभाग रेंजर कार्यालय बाप के तत्वाधान में गोष्ठी का आयोजन हुआ। गोष्ठी में बोलते हुए सहायक वन संरक्षक फलोदी कृष्ण कुमार व्यास ने कहा कि घरती पर जहरीली गैसों के उत्सर्जन से ओजोन परत को भारी नुकसान हो रहा है। हमे अधिकतम पेड़ पौधे लगाने चाहिए। हम डीजल व पेट्रोल के साधनों का कम प्रयोग कर ओजोन बचाने में योगदान कर सकते है। परीक्षा प्रभारी मांगीलाल सियाक़ ने ओजोन परत में हो रहे छेद पर चिन्ता जाहिर की तथा प्लास्टिक बहिष्कार का मंत्र दिया। परीक्षा में प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को वन विभाग ने पाठ्य सामग्री देकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान वन अधिकारियों ने विभिन्न किस्म के 10 पौधे भी परिषर में लगाये।

बारू से पैदल यात्रा संघ आज होगा रवाना

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

बाप क्षेत्र की ग्राम पंचायत बारू मुख्यालय से नखतबन्ना पैदल यात्रा संघ रविवार को रवाना होगा। समाजसेवी गणेश महाराज ने बताया कि बारू से चारणवाला व कालीनाड़ी धाम की 26वीं पैदल यात्रा रविवार से प्रारंभ होगी। रविवार सुबह 7.15 बजे यह यात्रा बारू से रवाना होगी।

नाकाबन्दी के दौरान 77 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद

बाप पुलिस की कार्रवाई, डोडा पोस्त परिवहन मे प्रयुक्त स्विफ्ट कार को पुलिस ने किया जब्त, आरोपी हुआ फरार

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

बाप पुलिस ने बीती रात्रि नाकाबन्दी के दौरान एक स्विफ्ट कार से 77 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने अवैध डोडा पोस्त परिवहन में प्रयुक्त स्विफ्ट कार को जब्त कर लिया है, जब की आरोपी फरार हो गया है। जिला पुलिस अधीक्षक फलोदी विनीत कुमार बंसल द्वारा अवैध मादक पदार्थ सप्लायरो के विरूद्व कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए, जिस पर सौरभ तिवाड़ी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक फलोदी व रामकरणसिंह मलिण्डा वृताधिकारी वृत फलोदी के निकट सुपरविजन मे 15 सितंबर को रात्रि मे सरहद सिहड़ा मे बाप पुलिस द्वारा नाकाबन्दी की गई। इस दौरान हमीर सिंह भाटी थानाधिकारी बाप मय टीम द्वारा एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार नम्बर जीजे 15 एडी 8422 को रूकने का इशारा किया तो चालक पुलिस की नाकाबन्दी को देखकर कार को वापिस घुमाकर भगाने लगा। जिस पर उक्त वाहन का पीछा किया तो स्विफ्ट कार थोडी दुरी पर जाकर पलटी खा गई तथा चालक मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने कार को चैक किया गया तो उसके अन्दर कुल 77 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त भरा हुआ पाया गया। जिस पर अवैध डोडा पोस्त व कार को जब्त कर प्रकरण दर्ज किया गया। इस प्रकरण में मांगीलाल पुत्र घमूराम जाति विशनोई निवासी उदाणियो की ढाणी सांवरीज पुलिस थाना फलोदी वांछित है। इस कार्रवाई में हमीर सिंह भाटी थानाधिकारी बाप, रामस्वरूप, श्रवणराम, नवीन कुमार, महिपाल, मूलाराम, औमप्रकाश की भूमिका सराहनीय रही, जिन्हें हौसला अफजाही हेतु जिला पुलिस अधीक्षक फलोदी द्वारा पुरूस्कृत किया जायेगा।

....बाप पुलिस का ये कैसा न्याय?

दलित महिलाओं के साथ हुई धक्का मुक्की के मामले में पैरवी करने साथ आए युवक को बेवजह बाप पुलिस ने शांति भंग के आरोप में किया गिरफ्तार, पीड़ित युवक ने एसपी व डीवाईएसपी फलोदी को भेजा पत्र, बाप एसएचओ के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

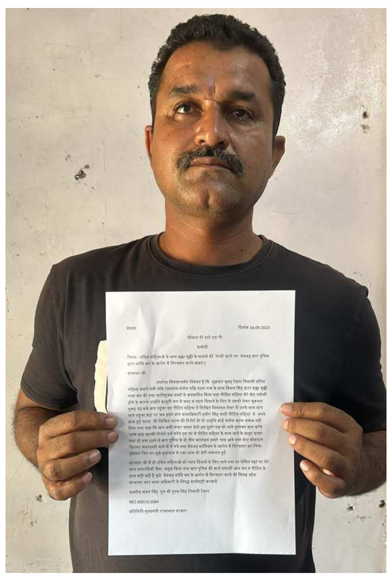

यदि किसी पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए आप उसके साथ बाप पुलिस थाने जा रहे हो तो सावधान हो जाइए। जी हां आप बिल्कुल सही पढ़ रहे हैं। पीड़ित की पैरवी के लिए उसके साथ आने वालों को बाप पुलिस बेवजह शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार कर रही है। ऐसा ही कुछ शुक्रवार को देखने को मिला। जब टेकरा निवासी दो दलित महिलाओं के साथ हुई धक्का मुक्की व लज्जा भंग के मामले में उनके साथ पैरवी के लिए आए एक युवक को बाप पुलिस ने शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया तथा पूरे दिन हवालात में रखकर शाम को उसकी जमानत हुई। इस मामले को लेकर पीड़ित युवक श्रवणसिंह पुत्र पूनम सिंह भाटी निवासी टेकरा ने जिला पुलिस अधीक्षक फलोदी व डीवाईएसपी फलोदी को पत्र भेजकर बताया की 15 सितंबर शुक्रवार सुबह टेकरा निवासी दलित महिला भंवरी देवी पत्नी रामलाल व संतोष पत्नी डालाराम के साथ किशन सिंह राजपूत द्वारा धक्का मुक्की कर लजा भंग की गई तथा जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया गया था। पीड़ित महिला श्रवणसिंह की खेत पडोसी होने के कारण उनको क़ानूनी रूप से मदद व न्याय दिलाने के लिए वह महिलाओं को लेकर शुक्रवार सुबह 10 बजे बाप पहुंचा। बाप में पीड़ित महिला की लिखित शिकायत लेकर वह उनके साथ थाने पहुंचा। वहां पर जब पीड़ित महिला ने अपने साथ हुई घटना की लिखित रिपोर्ट बाप थानाधिकारी हमीरसिंह भाटी को दी तो उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नही दिया तथा कहा कि आप अभी बाहर जाकर बेठो। हम दुसरे पक्ष को थाने बुलाकर बात करेंगे, उसके बाद आपकी रिपोर्ट दर्ज करेंगे। इस पर वह पीड़ित महिलाओ के साथ थाने के बाहर जाकर खड़ा हो गया। इतने में बाप पुलिस के दो तीन कांस्टेबल हमारे पास आये तथा मेरा मोबाइल छिनकर जबरदस्ती मुझे थाने में ले गये तथा बेवजह शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार दिनभर मुझे हवालात में रखा शाम को मेरी जमानत हुई। पत्र में श्रवण सिंह ने बताया की वह दो दलित महिलाओ को न्याय दिलाने के लिए बाप थाने गया था, लेकिन वहां पर मेरे साथ अपराधियों जैसा सलूक किया गया। बाप पुलिस की कार्य प्रणाली आमजन व पीड़ित के साथ सही नही है। मुझे बेवजह शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार करने की निपक्ष जाँच करवाकर बाप थाना अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की गई।

इनका कहना है

यह मामला मेरे ध्यान में नही है।

रामकरण सिंह, डीवाईएसपी फलोदी।

हमारे ऊपर लगाए गए सभी आरोप निराधार है। टेकरा वाले मामले से श्रवणसिंह भाटी की गिरफ्तार का कोई संबंध नहीं है। पीड़ित की पैरवी के लिए साथ आने वालों का बाप पुलिस पूरा मान सम्मान करती है। हार्डकोर अपराधी विशनाराम अभी बाप पुलिस की कस्टडी में है। शुक्रवार को श्रवणसिंह बेवजह थाने में इधर-उधर घूम कर वीडियोग्राफी कर रहा था, जो की कानूनन सही नही थी। उसको कई बार ऐसा करने के लिए मना भी किया गया तो वह पुलिस से उलझना शुरू हो गया। इस कारण उसे शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

हमीर सिंह भाटी, एसएचओ बाप।

पैदल यात्रियों के लिए की जल एवं फल की सेवा

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

बाप क्षेत्र से निकल रहे रामदेवरा पैदल यात्रियों के लिए टीम केवी ऐंजल स्कूल ने शनिवार को नेशनल हाइवे 11 पर जल एवं फल की व्यवस्था की। भाजपा मण्डल बाप के सोशल मीडिया प्रभारी पवन कुमार गोदारा, अध्यापक सुरेंद्र सिंह भाटी, मांगीलाल गोदारा, आदेश, मनफूल पंवार, पवन पंवार, रौनक आदि ने उत्साह के साथ पैदल यात्रियों को जल पिलाया और फल खिलाएं। केवी एजंल स्कूल के डायरेक्टर सुरेश गोदारा ने बताया कि इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों से बच्चों में सेवा भावना का विकास होता है।

राजीविका द्वारा महिलाओ को सर्फ-साबुन प्रशिक्षण का हुआ समापन!

चमकता राजस्थान,अजमेर जिला ब्यूरो चीफ ,रघुनंदन पारीक

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद ब्लॉक श्रीनगर के गांव कानाखेड़ी में राजीविका समूह की महिलाओ को साबुन सर्फ बनाने की निशुल्क 6 दिवसीय प्रशिक्षण चालू किया गया था जिसका समापन मैं बड़ौदा आर सेटी अजमेर के निर्देशक सौरभ गुप्ता, एफ एल सी सी हेमराज महावर, राजीविका श्रीनगर क्लस्टर प्रभारी विजय कुमावत पहुंचे जिसमे निर्देशक सौरभ गुप्ता ने महिलाओ को स्वरोजगार स्थापित करने पर जोर दिया और बताया कि राजीविका महिलाओ के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर अच्छा कार्य कर रही और राजीविका महिलाओ को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही है राजीविका श्रीनगर क्लस्टर प्रभारी विजय कुमावत ने राजीविका की महिलाओ को बताया कि रोजगार स्थापित करना बहुत जरूरी है महिला स्वरोजगार स्थापित कर काफी आगे बढ़ रही है कानाखेडी में 3 साल से काफी समूह चल रहे है जिसमे महिलाए राजीविका और बैंक से ॠण लेकर रोजगार भी कर रही है और आगे बढ़ रही है हेमराज महावर ने बताया की राजीविका महिलाओ और उनके परिवार जनों का बीमा होना भी जरूरी है जिसके कही प्रकार के बीमे की जानकारी दी गई आज समापन महिलाओ को प्रमाण पत्र देखकर साबुन सर्फ के बैच का समापन किया गया क्लस्टर प्रभारी विजय कुमावत ने राजीविका महिलाओं द्वारा पोषण माह अभियान के तहत जय उड़ान राजीविका महिला सर्वांगीण विकास सहकारी समिति लिमिटेड श्रीनगर द्वारा रैली का आयोजन किया जिसमे पोषण माह से संबंधित जानकारी दी गई समापन के दौरान बड़ौदा आर सेटी अजमेर निर्देशक सौरभ गुप्ता एफ एल सी सी हेमराज महावर राजीविका श्रीनगर क्लस्टर प्रभारी विजय कुमावत बड़ौदा आर सेटी से आकाश गहलोत और राजीविका समूह की 35 महिलाओ ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

नलकूप पर लगी आग, लाखो का हुआ नुकसान

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

बाप तहसील की ग्राम पंचायत धोलिया क्षेत्र में स्थित एक कृषि नलकुप पर हुई आगजनी की घटना से लाखों रुपए का नुक़सान हो गया। यूथ कांग्रेस नेता मालदेव जेठूसिंह ने बताया की धोलिया से टेकरा जाने वाली सड़क पर गोविंद बाबा मंदिर के पास एडवोकेट भोम सिंह के नलकूप पर काश्तकार जानु खां भिखोडाई कार्य करता है। शनिवार शाम करीब 5 बजे काश्तकार के झोपड़े में अचानक आग लग गई। आग से चार क्विंटल अनाज, दो तोला सोना, बीस तोला चांदी, आटा चक्की, बिलौना मशीन व कपड़े जलकर खाक हो गए। जिससे लाखों रुपए का नुकसान हो गया। अग्नि पीड़ित ने आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने की मांग की। ग्रामीणों ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं भामाशाह कुम्भसिंह पातावत को भी आगजनी की घटना की जानकारी दी, जिस पर पातावत ने हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाया।

जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय फलोदी का हुआ शुभारंभ, आईजीएनपी भवन से होगा संचालित

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

फलोदी का जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय आईजीएनपी के भवन से संचालित किया जायेगा। शनिवार को इसका विधिवत शुभारंभ किया गया है। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान आईजीएनपी भवन में पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार बंसल, एएसपी सौरभ तिवाड़ी, डीवाईएसपी रामकरणसिंह मलिण्डा, सीआई ओमप्रकाश विश्नोई, महेन्द्र सीरवी, खेताराम, चूनाराम, अयुब खां, दमाराम, दुर्गसिंह सहित विभिन्न ब्रांचों के पुलिस अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित रहे। ज्ञात रहे फलोदी का एसपी कार्यालय अब तक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय फलोदी में ही संचालित हो रहा था, जो एडीएम कार्यालय के समीप स्थित है।आईजीएनपी भवन स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधीक्षक के अलावा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक फलोदी भी बेठेंगे। इनके अलावा अपराध शाखा, जिला विशेष शाखा व अन्य शाखाओं के अधिकारी/कर्मचारी बैठेंगे।आईजीएनपी भवन में संचालित कार्यालय आमजन के लिए काफी सुविधाजनक है, जो फलोदी शहर के निकट ही स्थित है। इससे आमजन को अपने पुलिस विभाग संबंधित कार्यों को करने में सुगमता रहेगी।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाषयगण नाथूराम पिलानिया पुत्र स्वर्गीय श्री नानूराम पिलानिया एवं श्रीमती भागीरथी पिलानिया पत्नी श्री नाथूराम पिलानिया निवासी 102 / 72 पटेल मार्ग मान सरोवर,जयपुर की ओर से हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाषयगण की पुत्री श्रीमती विनीता पिलानिया ढाका पत्नी श्री जगदीश प्रसाद ढाका अपने पति का घर छोड़कर अपना सारा सामान लेकर मेरे अभिभाषयगण के पास रहने के लिए आ गई थी इसको काफी समझाया लेकिन विनीता आवारा किस्म के लोगों के बहकावे में आ गई जो ना तो अपने बच्चों को संभालती है और ना ही अपने पति को , न वह मेरे अभिभाषयगण का कहना मानती है, एक माह से विनीता मेरे अभिभाषयगण के घर से बिना बताए अपना सामान लेकर गायब हो गई जो कुछ भी कर सकती है जिसको मेरे अभिभाषयगण, अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करते हैं आज के बाद मेरे अभिभाषयगण की उक्त पुत्री विनीता ढाका द्वारा किए गए किसी भी समव्यवहार व कृत के लिए किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होंगे!

जयपुर ,दिनांक 15 सितंबर 2023

दिनेश चंद्र शर्मा (एडवोकेट)

नसीराबाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एव पूर्व विधायक महेन्द्र सिंह गुर्जर का जन्मदिन मनाया धूमधाम से

चमकता राजस्थान,अजमेर जिला ब्यूरो चीफ, रघुनंदन पारीक

नसीराबाद विधान सभा के पूर्व विधायक ओर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव महेन्द्र सिंह गुर्जर का जन्मदिन शनिवार को स्थानीय डाक बंगले पर विधानसभा के समस्त कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों एव आमजन ने माला साफा पहनाकर एव केक काटकर धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर डाक बंगले पर रक्तदान शिविर भी लगया जिसमे जेएलएन हॉस्पीटल, क्षेत्रपाल हॉस्पीटल ओर राजस्थान ब्लड बैंक की टीम ने सेवा दी ओर 200 यूनिट ब्लड एकत्रित किया तथा शिविर मे डॉ लाल पथ लेब द्वारा शुगर, केल्शियम एव हीमोग्लोबिन की जांच निशुल्क की गई । इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के 10 वी एव 12वी के 200 मेधावी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया ओर डाक बंगले में पौधारोपण भी किया गया। इससे पूर्व पीसीसी महासचिव एवं पूर्व विधायक महेन्द्र सिंह गुर्जर ने गोशाला पहुंचकर हरा चारा एव गुड़ खिलाकर अपने जन्मदिवस की शुरुआत की ओर गरीब जरूरतमंद बच्चो को पेट्रोल पंप पर खाने के पैकेट बाटे तथास्थानिय हॉस्पीटल पर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ मरीजों को फल वितरित किये एव उनकी कुशलशेप पुची। जन्म दिन के अवसर पर जगह-जगह हार्डिंग लगाए गए एव सुबह से रात तक स्थानिय डाक बंगले में कार्यकर्ताओं एव उनके चाहने वालों का तांता लगा रहा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवम 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली न.6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक: अभय सिंह चौहान, मोबाइल: 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)